प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ.. सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

नेतृत्व अपने से अधिक कुशल व्यक्ति के साथ कार्य करने का आत्मविश्वास है।

अजीम प्रेमजी

वर्ष-05, अंक - 09 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 01 दिसम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

इकबाल सिंह बैंस बने रहेंगे म.प्र. मुख्य सचिव

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्य सचिव पद को लेकर जारी सस्पेंस खत्म हो गया है। सरकार ने मौजूदा मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को ही 6 महीने का एक्सटेंशन देने का फैसला किया है। इकबाल सिंह बैंस के रिटायरमेंट के दिन ही यह फैसला आया है। अब बैंस 30 मई को रिटायर होंगे। इकबाल सिंह बैंस 1984 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। सूत्र अनुसार अगले वर्ष विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीएम शिवराज सिंह चौहान इकबाल सिंह बैंस का ही कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में थे।

बता दें कि, अगले कुछ माह में राज्य में कई अहम आयोजन भी होने हैं। इनमें जनवरी में इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और जनवरी में ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन आयोजनों के लिए गठित विभिन्न समीतियों में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ही बतौर अध्यक्ष जुड़े हुए हैं। ऐसे में सरकार की कोशिश है कि जो कार्य योजना तैयार की गई है, उस पर तेजी से अमल हो सके इसलिए मुख्य सचिव के कार्यकाल को बढ़ाने का फैसला किया गया।

मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव की दौड़ में 1989 बैच के अनुराग जैन और मोहम्मद सुलेमान का नाम भी शामिल था। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीएम शिवराज सिंह चौहान इकबाल सिंह बैंस के बाद अनुराग जैन को राज्य का मुख्य सचिव बनाना चाहते थे लेकिन केंद्र सरकार ने सीएम को अन्य विकल्प पर विचार करने को कहा था। दरअसल अनुराग जैन फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और अभी उद्योग, संवर्धन और आंतरिक व्यापार जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। साथ ही वह पीएम मोदी की महत्वकांक्षी परियोजना गतिशक्ति की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अनुराग जैन को रिलीव नहीं किया।

ऐसे में सीएम ने इकबाल सिंह बैंस के कार्यकाल को ही बढ़ाने की मांग की। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीएम ने 9 नवंबर को ही केंद्र सरकार को इकबाल सिंह बैंस के कार्यकाल विस्तार की मांग को लेकर पत्र लिखा था। जिसे केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया। बैंस की छवि एक सख्त अधिकारी की है और वह अच्छे प्रशासनिक अधिकारी माने जाते हैं।

सीएम आवास के बाहर मजदूरों ने किया प्रदर्शन

चंडीगढ़। खेत मजदूर यूनियन की तरफ से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संगरूर में सीएम हाउस के बाहर प्रदर्शन किया गया। इस बीच पुलिस प्रदर्शनकारियों ने लाठीचार्ज भी किया। सीएम हाउस से 1 किलोमीटर पहले हजारों मजदूरों धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने संगरूर-पटियाला रोड को जाम कर दिया। पूरे पंजाब से मजदूर इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पहुंचे। मजदूर मुख्य रूप से वेतन में वृद्धि की मांग कर रहे है।

इससे पहले विभिन्न खेलों के पैरा-एथलीट ने सोमवार को चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया और सरकारी नौकरी की मांग की। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर उनकी उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि, पार्टी ने राज्य विधानसभा चुनावों से पहले उनकी मांगों को पूरा करने का वादा किया था। प्रदर्शन में शामिल पैरा-एथलीट बलजिंदर सिंह ने कहा, हमने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीते हैं, लेकिन राज्य सरकार ने अब तक हमारे कल्याण के लिए कुछ भी नहीं किया है।

गुजरात चुनावः पीएम मोदी ने सात रैलियां की कम

क्या चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त है भाजपा...?

अहमदाबाद, एजेंसी। 1 और 5 दिसंबर को होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टियों का चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक हफ्ते में 7 और रैलियां करेंगे। 2017 में हुए विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री ने 34 रैलियों में हिस्सा लिया था जबकि इस वर्ष हो रहे विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी 27 रैलियां ही हैं। प्रधानमंत्री की पिछले चुनावों के मुकाबले कम रैलियों को दो तरह से देखा जा रहा है। इस त्रिकोणीय मुकाबला होने के बावजूद भाजपा गुजरात में सत्ता में वापसी को लेकर अश्वस्त है। पिछले चुनावों में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी।

कम हुई रैलियां

गुजरात चुनाव को लेकर आने वाले दिनों में गुजरात में प्रधानमंत्री मोदी की सात और रैलियां हैं। इस बार के चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी ने 27 रैलियां की हैं जो पिछले चुनाव में की गई 34 रैलियों के मुकाबले में कम हैं। गुजरात में अब तक मोदी की 20 रैलियां हुई हैं। चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में 1 दिसंबर को पीएम मोदी तीन रैलियों में शामिल होंगे। इन जगहों पर दूसरे चरण में 5 दिसंबर को वोटिंग होनी है। 1 दिसंबर को होने वाली तीन रैलियों में पहली पंचमहल में, दूसरी छोटा उदयपुर के बोदेली और तीसरी रैली हिम्मतनगर में है। रात रुकने के लिए प्रधानमंत्री गांधीनगर लौट आएंगे। अगले उनकी चार रैलियां हैं। कनकराज से शुरू होकर, पाटन और सरोजिता, में रैली के बाद प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद में एक रोड शो भी करेंगे। गुजरात चुनावों के लिए पीएम मोदी ने प्रचार की शुरुआत सोमनाथ मंदिर से 20 नवंबर को की थी। राज्य में चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले प्रधानमंत्री मोदी सरकार द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों को लेकर गुजरात पहुंचे थे।

राहुल गांधी ने यात्रा छोड़ किया प्रचार

गुजरात चुनावों में कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के मुकाबले कम प्रचार किया है। अशोक गहलोत के प्रभार में लड़ा जा रहा गुजरात चुनाव कांग्रेस और भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। हिमाचल प्रदेश के चुनावी प्रचार में एक भी रैली न करने वाले राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से रेस्ट लेकर गुजरात चुनाव में प्रचार करने पहुंचे थे। चूंकि भारत जोड़ो यात्रा गुजरात से नहीं गुजर रही इसलिए राहुल गांधी गुजरात चुनावों में प्रचार में शामिल हुए। कांग्रेस का मानना है कि, भारत जोड़ो यात्रा की वजह से लोगों में उम्मीद जगी है और लोग बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भाजपा के खिलाफ हैं।

आप को नकारा

गुजरात चुनावों में आम आदमी पार्टी भी शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए किए गए अपने चुनावी वादों को लेकर चर्चा में है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी भाजपा के वोटों में भी सेंध लगा सकती है। आप के गुजरात में प्रदर्शन को भाजपा और कांग्रेस दोनों ने नकार दिया है। दोनों ही पार्टियों का मानना है कि, आप के लिए बने हाइप को लोग वोट नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची बिलकिस बानो

नई दिल्ली। 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप और सात सदस्यों की हत्या में सजा काट रहे सभी 11 अभियुक्तों की रिहाई के खिलाफ बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ इस केस की योग्यता पर विचार करेंगे। हाल ही में इस केस के सभी 11 दोषियों को माफी दी गई थी। 15 अगस्त को जसवंत नाई, गोविंद नाई, शैलेश भट्ट, राधेश्याम शाह, विपिन चंद्र जोशी, केशरभाई वोहानिया, प्रदीप मोढ़डिया, बाकाभाई वोहानिया, राजूभाई सोनी, मितेश भट्ट और रमेश चांदना को गोधरा उप कारागर से रिहा किया गया था।

वर्ष 2008 में मुंबई की सीबीआई अदालत ने इन बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप और उनके परिवार के सात सदस्यों की निर्मम हत्या के मामले में 11 अभियुक्तों को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इस फैसले पर अपनी सहमति व्यक्त की थी।

पूरी की 15 वर्ष की सजा

इस केस के सभी दोषियों ने 15 वर्ष की सजा पूरी कर ली थी। इसके बाद इनमें से एक ने माफी की गुहार लगाते हुए राहत की मांग की थी। कैदियों की सजा में छूट की मांग पर विचार के लिए बनी कमेटी ने सर्वसम्मति से सभी 11 अभियुक्तों को रिहा करने का फैसला किया। इस रिहाई के फैसले की खूब आलोचना हुई।

गुजरात सरकार से नाखुश सुप्रीम कोर्ट

इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि, बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों को रिहा किए जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुजरात सरकार का जवाब बहुत बोझिल है। इसमें कई फैसलों का हवाला दिया गया है, लेकिन तथ्यात्मक बयान नहीं हैं। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को गुजरात सरकार के हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया था।

पीएफआई पर बरकरार रहेगा प्रतिबंध, कर्नाटक हाई कोर्ट ने भी लगाई मुहर

नई दिल्ली। कर्नाटक हाई कोर्ट की ओर से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को तगड़ा झटका लगा है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से पीएफआई को प्रतिबंधित किए जाने के फैसलो को चुनौती देते हुए उसके नेताओं ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

केंद्र सरकार ने यूएपीए की धारा 3 (1) के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और उसकी संबंधित इकाइयों को या संगठनों को पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रतिबंधित कर चुका है। केंद्र के फैसले के बाद कर्नाटक पीएफआई के प्रदेश अध्यक्ष नासिर पाशा ने फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। जिसे अब हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देश में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के केरल महासचिव सीए रऊफ को पिछले महीने गिरफ्तार किया था। एनआईए ने रऊफ को पलक्कड़ के पट्टांबी मेंस्थित उनके घर सेगिरफ्तार किया। इस मामले में रऊफ 13वें आरोपी हैं। केरल पीएफआई मामले में आरोपी रऊफ कई महीनों सेफरार था।

रऊफ की गिरफ्तारी पर केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा था, उसे वैकल्पिक न्याय प्रणाली का प्रचार करते हुए पाया गया है। जो क्रिमिनल फोर्सेस को सही ठहराते हैं जिसकी वजह से लोगों में टेंशन और भय पैदा होता है। कमजोर युवाओं को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंडएं सीरिया सहित आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रशासन का दोहरा रवैया, क्षेत्र के नेताओं ने नहीं पूछा परिवार का हाल

रेलवे फाटक पर हुई दुर्घटना में मौत के बाद नहीं ली प्रशासन ने कोई सुध, न ही मिली आर्थिक सहायता

मतृक भंडारी दंपत्ति।

माही की गूंज, पेटलावद/करवड़।

पिछले गुरुवार को रेल्वे फाटक बामनिया पर अनियंत्रित ट्राले द्वारा तीन लोगों को कुचलने से हुई मौत के मामले में स्थानीय प्रशासन का दोहरा रवैया सामने आया है। साथ ही सत्तापक्षीय नेताओं का भी परिवार के प्रति किसी प्रकार का सहयोग देखने को नही मिला। दुर्घटना में हुई तीन लोगों की मौत में रामपुरिया के ग्रामीण कालू डोडियार के साथ-साथ करवड़ के जैन दंपति सुभाषचंद्र भंडारी और मनोरमा भंडारी को भी अपनी जान गवानी पड़ी थी। दुर्घटना के बाद जैन परिवार द्वारा दुर्घटना स्थल से शव को उठा लिया गया, जबकि अन्य मृतक के परिवार द्वारा शव को रेल लाइन पर रख कर प्रर्दशन किया गया। प्रशासन और रेल्वे के मौजूद अधिकारीयो ने परिवार को स्वांतना देते हुए आर्थिक सहायता देने के आश्वासन देने के बाद मृतक के परिजन मौके से हटे, दो लाख की नगद आर्थिक सहायता भी प्रशासन की और परिवार को दी गई। वही एक ही दुर्घटना में मृतक हुए करवड़ के भंडारी परिवार के साथ प्रशासन ने दोहरा रवैया अपनाते हुए किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता ओर सहयोग का आश्वासन तक नही दिया। प्रशासन की और से कोई भी जबाबदार परिवार के पास तक नही पहुँचा।

ग्राम पंचायत के सरपंच विकास गामड़ ने बताया कि, भंडारी परिवार के पास सम्बल कार्ड या कर्मकार कार्ड नही होने से कोई सहायता ग्राम पंचायत के माध्यम से नही मिल सकती। ऐसे में प्रशासन को पीड़ित परिवार की सूद लेकर उनको आर्थिक सहायता दिलवाई जानी थी लेकिन प्रशासन की अनदेखी से लगता है केवल मौके पर मांग करने वालो की ही सूद प्रशासन लेती हैं। एक ही दुर्घटना में मरने वालों को एक जैसी आर्थिक सहायता प्रशासन द्वारा दी जानी चाहिये।

शोक समवित भंडारी परिवार, प्रशासन की अनदेखी से निराश।

बेटी ने माता-पिता को मुखाग्नि दी, मर कर भी रोशन कर जिंदगी

बामनिया में रेल्वे फाटक पर करवड़ निवासी सुभाष चंद्र भंडारी धर्मपत्नी मनोरमा भंडारी का रेल्वे फाटक पर तेज गति में आ रहे ट्राले ने टक्कर मार दी जिसमें मनोरमा भंडारी ने वही दम तोड़ दिया। सुभाष भंडारी को पेटलावद रेफर किया वहां से बड़ौदा रेफर किया था लेकिन रास्ते में सुभाष भंडारी ने दम तोड़ दिया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन एवं ग्रामीणजन उपस्थित हुए। सुभाष भंडारी की मृत्यु के बाद माता-पिता को मुखग्नि उनकी पुत्री द्वारा दी गई। भंडारी दम्पत्ति की एक पुत्र संतान थी, लेकिन दो साल पहले उनका भी निधन हो चुका है और परिवार में केवल उनकी पुत्री ही बची है जिन्होंने बेटे होने का फर्ज निभाया ओर अंतिम क्रिया की। दुर्घटना में मृत सुभाष भंडारी भले ही दुनिया छोड़ कर चले गए, लेकिन वो जाने के बाद अपनी आँखों से दो लोगो की दुनिया रोशन कर गए। सुभाष भंडारी ने अपना नेत्रदान गीता भवन न्यास समिति बड़नगर को दान करके दो व्यक्तियों को उपहार दिया। मर कर भी दो लोगो को जीवन देने वाले परिवार ओर परिवार में बची एक मात्र बेटी की सूद प्रशासन द्वारा नही ली गई ये चर्चा का विषय बना हुआ है।

सुभाष भंडारी द्वारा नेत्रदान पर गीता भवन न्यास समिति बडनगर द्वारा दिया गया आभार पत्र।

दुर्घटना के बाद क्षेत्र से गुजरते रहे सत्ता के बड़े नेता कोई स्वांतना देने नही पहुचा

दुर्घटना में मौत के दूसरे ही दिन सांरगी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का दौरा था। जिसकी तैयारी के लिए भाजपा के छोटे-बड़े नेताओं का आना-जाना दिनभर इस क्षेत्र में होता रहा, लेकिन परिवार को कोई सत्तापक्षीय नेता स्वांतना देने नही पहुचा। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के दौरे के लिए क्षेत्र के सांसद गुमानसिंह डामोर, पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया, जिलाध्यक्ष भानु भूरिया, जिला पंचायत सदस्य, मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, क्षेत्र से महामंत्री राठौर, जनपद अध्यक्ष पेटलावद सहित कई नेता आते जाते रहे, लेकिन सत्तापक्षीय नेता और चुने हुए जनप्रतिनिधि परिवार के पास नही पहुचे। कांग्रेस विधायक वालसिंह मैडा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह राठौर, विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र लाला जरूर परिवार को स्वातना देने पहुचे थे।

नीतीश कुमार ने दोहराई वन नेशन वन टैरिफ की मांग

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर 'वन नेशन वन टैरिफ' की मांग दोहराई। नीतीश कुमार का कहना है कि, अलग-अलग दर पर बिजली खरीदने के कारण राज्य सरकारों पर आर्थिक बोझ पड़ता हैं, क्योंकि वो अपने राज्य में एक दर से लोगों को बिजली दे रहे हैं। उर्जा क्षेत्र के 15871.24 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात देते हुए बिहार के सीएम ने मीडिया पर भी तंज कसे। उन्होंने कहा कि, अब तो मीडिया पर केंद्र सरकार का पूरा नियंत्रण हो गया है।

नीतीश कुमार ने कहा कि, बिहार में जो बिजली दी जा रही है, वह काफी महंगी दी जा रही है। केंद्र सरकार को देश के हर नागरिक का कल्याण करना है तो हर राज्य को एक दर पर बिजली मुहैया करें। उन्होंने कहा कि, देश में एक मूल्य पर हर राज्य को बिजली मुहैया कराई जाए, वह सही नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, विकसित राज्य को किस मूल्य पर बिजली दी जा रही है। बिहार जैसे गरीब राज्यों को किस मूल्य पर बिजली केंद्र सरकार दे रही है। यह देखने की जरूरत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि, पूरे बिहार भर में 2025 तक प्रीपेड मीटर हर घर तक लगाने का लक्ष्य रखा गया है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर जल्दी बिहार के हर घर मे मैं लग जाए मैं उसकी उम्मीद करता हूं। सौर ऊर्जा को भी बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा विभाग को काम करना है।

सीएम नीतीश कुमार ने आगे कहा, बिहार 2005 में केवल 700 मेगावाट बिजली का उपयोग करता था, लेकिन पिछले 15 वर्षों में परिदृश्य बदल गया है। राज्य में जून 2020 में 5990 मेगावाट बिजली की खपत हुई है। सीएम का कहना था कि, 'वन नेशन-वन ग्रिड' और 'वन नेशन-वन राशनकार्ड' की तर्ज पर 'वन नेशन- वन टैरिफ' होना चाहिए। अभी प्रदेशों में बिजली की दर अलग-अलग हैं। मसलन, एक प्रदेश में प्रति यूनिट दर आठ रुपए है, जबकि पास के राज्य में छह रुपए है।

पुलिस महकमे की कारस्तानियां हो रही उजागर

खाएंगे, खिलाएंगे और नशा मुक्ति अभियान को चलाएंगे

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में पदस्थ होते ही पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने जिले में नशामुक्ति अभियान को लेकर जैसे जंग ही छेड़ दी थी। जिले के अलग-अलग स्थानों पर हो रही मादक पदार्थ गांजे की खेती इस तरह उजागर हुई मानों कोई चिराग से जिन निकल आया हो। लगातार गांजे की खेती करने वाले अपराधियों की धर-पकड़ सी शुरू हो गई। एक नजर में एसपी जैन का यह कारनामा बहुत ही जबरदस्त दिखाई दे रहा था। मात्र कुछ दिनों में जिले में कई जगह गांजे की खेती पर छापा मारी कर लगभग सवा करोड़ से अधिक का मादक पदार्थ गांजे के रूप में बरामद किया गया। गांजे की खेती पर हुई बड़ी कार्रवाई ने एसपी अगम जैन को जैसे सुर्खियों में लाकर खड़ा कर दिया। ऐसा हो भी क्यों ना, काम तारीफे काबिल ही था। मगर एसपी जैन की इस नशा मुक्ति अभियान की कवायदों पर उनका ही अमला किस कदर कालिख पोत रहा है इसका अंदाजा शायद पुलिस अधीक्षक जैन को होगा या नहीं, यह तो नहीं कह सकते। या फिर यूं कहें कि, साहब के ही संरक्षण में मातहत यह सारा खेल, खेल रहे थे। क्योंकि यह संभव ही नहीं कि, पुलिस की अवैध कमाई का हिस्सा साहब लोगों तक ना पहुंचता हो। पश्चिमी मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल जिले झाबुआ का एक इतिहास यह भी रहा है कि, जो भी अधिकारी यहां आता है वह हर तरह से गच्च हो जाता है। जिला अन्य राज्यों की सीमा से लगा होने के कारण यहां अवैध धंधों की भरमार है और सबसे बड़ा अवैध धंधा यहां शराब का है। जिले की जनता यह भी खूब जानती है कि, पिछले समय में रहे अधिकारियों के माफियाओं से किस तरह के संबंध रहे है और माफियाओं ने तत्कालीन अधिकारियों की किस-किस तरह से सेवा की है, यह सारी बातें जग जाहीर है। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि, आने वाले अधिकारी भी दूध के धुले तो होंगे नहीं जो माफियाओं से सेवा ना कराए। अपने अधिनस्तों को टारगेट देकर तत्कालीन अधिकारियों ने अवैध वसूली भी कई माफियाओं से करवाई है। इस लिए इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि, साहब के अधिनस्तों पर इस तरह का दबाव नहीं होगा या वे अपनी अवैध कमाई से साहब को हिस्सा ना देते होंगे।

मंगलवार को जिले की अंतरवेलिया चौकी पर एक ऐसी घटना घटित हुई जिसने जिले के पुलिस अधिकारियों और पूरे महकमें पर सवाल खड़े कर दिए है। पिछले दिनों अंतरवेलिया चौकी प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने पुलिस कप्तान के निर्देश अनुसार नशा मुक्ति अभियान के तहत 23 नवंबर को चौकी क्षेत्र के ग्राम खुटाया से गांजे की अवैध फसल के रूप में 21 पौधे बरामद किये थे। गांजे के पोधे बरामद करने की बात को जोर-शोर से पुलिस कप्तान व उनके विभाग ने भुनाया और मीडिया में सुर्खियां बटोरी। गांजे की बरामदगी के बाद मामले में होने वाली आगे की कार्रवाई में चौकी प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने खेल खेलना शुरू किया। गांजा बरामदगी मामले में शर्मा ने सहआरोपी बनाने को लेकर आरोपित के भाईयों के साथ ब्लेक मेलिंग शुरू कर दी। यह सारा मामला खुटाया के पूर्व सरपंच के भाई बदिया के खेत से उजागर हुआ था। पुलिस ने बदिया को इस मामले में गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया था। जिसके बाद चौकी प्रभारी शर्मा रमेश मुणिया और दो अन्य भाईयों को भी मामले में सहआरोपी बनाने की धमकी देकर पुलिस कस्टडी में रखने के साथ उनसे रिश्वत की मांग कर रहा था। इस पूरे मामले की शिकायत जमीन मालिक किडिया के भतीजे रमेश पिता सुरतान मुनिया ने लोकायुक्त इंदौर के समक्ष की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार चौकी प्रभारी शर्मा से अन्य तीन भाईयों को सहआरोपी न बनाने को लेकर 50 हजार रुपये में सेटिंग हुई थी। जिसमें सोमवार को उन्होने शर्मा को 5 हजार रुपये दे दिए थे। मंगलवार को 20 हजार रुपये देना तय हुए और बाकी के 25 हजार बुधवार को देना थे। शिकायत के बाद लोकायुक्त इंदौर की टीम सक्रिय हुई और मंगलवार को सुबह अंतरवेलिया पहुंची। शिकायतकर्ता तय रकम 20 हजार के साथ अंतरवेलिया चौकी पर राजेन्द्र शर्मा को देने पहुंचा और पीछे से लोकायुक्त की टीम ने शर्मा को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में चौकी प्रभारी शर्मा पर भ्रष्टाचार की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई के बाद शर्मा को निलंबित भी कर दिया गया है।

पुलिस विभाग द्वारा नवंबर माह में लगातार कार्रवाई करते हुए पूरे जिले में नशामुक्ति अभियान के तहत गांजे की अवैध खेती पर अभियान चलाया गया। पूरे माह में करीब 6-7 मामले उजागर भी हुए। आरोपियों की धरपकड़ भी हुई। बताया यह भी जाता है कि, 23 नवंबर खुटाया के जो गांजे के पोधे की बरामदगी की कार्रवाई की गई वह इस माह की आखिरी कार्रवाई थी। जिसमें 50 हजार रुपये की रिश्वत चौकी प्रभारी राजेंद्र शर्मा ने सहआरोपी न बनाने को लेकर आरोपी के तीन भाईयों से डिमांड की थी। रिश्वत खौर राजेंद्र शर्मा की बात करें तो उसके कारनामें भी जग जाहिर है। अनुभव का इतना पक्का रोड पर चलती गाड़ी देखकर यह बता दे कि, इस गाड़ी में क्या भरा हुआ है। जिला मुख्यालय पर रहते हुए भी शर्मा ने बहुत मस्ती छानी है। हाईवे से गुजरने वाली शराब से भरी गाडियों पर भी इसकी पैनी नजर बनी रहती थी। शातिर इतना कि, किसी को कानों-कान खबर नहीं होती थी और शर्मा जी उगरानी कर गच्च हो जाते थे। इसके अलावा पंचायत चुनावों में फर्जी गार्ड बनाने का मामला भी इसी शर्मा के माथे था। मगर इस मामले में उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। मगर अब बागड़ बिल्ला शर्मा लोकायुक्त की गिरफ्त में है। अब सवाल यह खड़ा हो रहा है कि, जिले में पिछले माह गांजे की खेती को लेकर हुई पुलिस की तमाम कार्रवाईयां कहीं इसी तरह तो अंजाम नहीं दी गई। अगर ऐसा है तो फिर सवा करोड़ रुपये से अधिक का गांजा अब तक जप्त किया जा चुका है। जिसमें बड़ी कार्रवाईयों में बड़े स्तर पर रिश्वत खोरी का घालमेल हुआ होगा। यह और बात है कि, अंतरवेलिया में आकर रिश्वत खोरी का एक छोटा सा मामला उजागर हो गया और चौकी प्रभारी शर्मा लोकायुक्त के हत्थे चढ़ गए। सवाल यह भी उठता है कि, जो पुलिस अधीक्षक जिले में आते ही नशा मुक्ति जैसे अभियान को जोर-शोर से चला रहे थे उनके ही महकमे में इस तरह रिश्वत खोरी का मामला उजागर होना विभाग को पूरी तरह से कटघरे में खड़ा करता दिखाई दे रहा है। अगर पुलिस विभाग में शर्मा जैसे बागड़ बिल्ले मौजूद है तो यह तय है कि, इस तरह की ब्लेकमेलिंग और भी मामलों में हुई होगी। अंतरवेलिया चौकी का मामला उजागर होने के बाद सोशल मीडिया पर आमजनता की राय तो कुछ ऐसी है कि, ''पूरा बांस ही पोला है''। यह भी तय है कि, जिले की पुलिस जिस तरह से सेटिंग और गठजोड़ में पारंगत है, उससे इस तरह के मामले उजागर होने पर कोई आश्चर्य नहीं।

माना तो यह भी जा रहा है कि, तमाम माफियाओं के हिस्से साहब लोगों के बंगलों तक पहुंचते है तो विभाग की कारस्तानियों और अवैध कमाई का हिस्सा भी साहब लोगों के बंगलों और जेबों तक जरूर पहुंचता होगा। वैसे भी गुजरात चुनाव जिले में शराब माफियाओं की कारस्तानियों को उजगार कर रहे है। ऐसा नहीं है कि, चुनावी माहौल के पहले जिले से किसी तरह की शराब तस्करी नहीं होती थी। लेकिन अब चुनाव के चलते शायद पुलिस को मजबूरी में इस तरह की कार्रवाईयों को अंजाम देना पड़ रहा है। कुल मिलाकर बात इतनी सी है कि खाएंगे, खिलाएंगे और नशा मुक्ति अभियान चलाएंगे।

ऊंची दुकान फीके पकवान के तर्ज पर चलती एमडीएच संस्था

स्कूली छात्राओं के लिए दीवारों पर लिखे जा रहे अश्लील शब्द, स्कूल प्रशासन झाड़ रहा पल्ला

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

बड़ा गेट, सुंदर बगीचा ,कांच का दरवाजा ,भव्य सुविधाजनक विशाल इमारत, स्मार्ट निजी ऑफिस, और आने जाने के लिए निजी कार,, यह सब इस धरती पर जन्म लिए भगवान स्वरूप उस महापुरुष ने आपके हाथों में इसलिए शॉपी ताकि आप इस क्षेत्र के बच्चों को श्रेष्ठ शिक्षा, सात्विक वातावरण में सही संस्कार प्रदान कर सकें।जो जीवन भर उनके काम आता है। क्यो की बच्चों के भविष्य निर्माण में एक अच्छे वातावरण की अहम भूमिका होती है। आप जैसा व्यवहार करेंगे, बच्चा वैसा ही सीखेगा। शिक्षक का पहला कर्तव्य है कि उसके विद्यालय का बच्चा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, के मार्ग पर चलें , पर ठीक इसके विपरीत क्षेत्र के बड़े निजी विद्यालय का कारनामा छुपाने के लिए

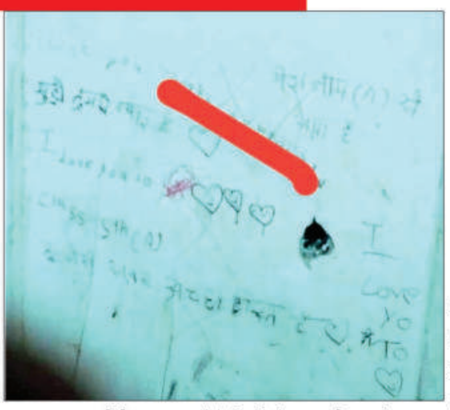

इस तरह स्कूल की दीवार पर छात्राओ के लिए लिखे गए अश्लीलता भरे वाक्य।

विद्यालय की महिला शिक्षिका द्वारा एक बालिका को कहा जाता है कि यह सब बात अपने घर पर मत बताना यह स्कूल का मामला है स्कूल में ही देखेंगे। अपने घर पर परिजनों से इस बात का कोई जिक्र मत करना। जबकि पुलिस अधीक्षक अगम जैन द्वारा स्कूल - स्कूल जाकर छोटे बच्चों को गुड टच और बैड टच की जानकारी दी जा रही है। और साथ में यह भी कहा स्कूल ,बाजार ,और रास्ते में किसी प्रकार की कोई बात या

हरकत करें तो तुरंत अपने घर पर पहुंच कर अपने माता-पिता को बताएं। पर इस स्कूल में शिक्षिका द्वारा बच्चों को शिष्टाचार का उल्टा ही पाठ पढ़ाया जा रहा है। जिससे छोटे-छोटे बच्चे के मन में गलत शिक्षा और डर का उत्पन्न होना तय है।

यह पूरी घटना

निजी विद्यालय के गर्ल्स टॉयलेट की दीवार पर किसी बच्चे के द्वारा आई लव यू मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। और अनाप-शनाप लिखकर नीचे कुछ लड़कियों के नाम लिख दिए थे। एक फ्रेंड ने बताया तेरा नाम लिखा हुआ है। इसलिए स्कूल के बाकी बच्चे देखो देख कर हंस रहे हैं। बच्ची घबराते हुए गुस्से में जाकर देखती है।तो बात सही साबित होती है। इस बात को लेकर बच्ची महिला शिक्षिका के पास जाती है। और पूरा घटनाक्रम बताती है। जिसके बाद शिक्षिका बच्चे को लेकर एक तरफ जाकर बोलती है ।यह बात स्कूल की है। स्कूल में ही खत्म करेंगे और अपने घर वालो को इस घटना के बारे में कुछ मत बताना। डरी बच्ची ने उस दिन कुछ नहीं बताया पर अगले दिन मैडम ने वह लिखा हुआ साफ भी नहीं करवाया। तो बच्ची ने अपने पापा मम्मी को इस बारे में बताया। तो बच्ची के पालक बच्ची को लेकर सीधे स्कूल पहुंचे और प्राचार्य से इस तरह की घटना की बात करी। प्राचार्य ने अपनी जिम्मेदारी से झाड़ा पल्ला, ठीक है मे लिखा हुआ साफ करवा देता हूं, पर इसमें हम लोग क्या कर सकते हैं। इस पर पालक ने बोला सर ऐसा नहीं होता है। हम लोग बच्चों को आपके भरोसे स्कूल छोड़ ते है। क्या आप लोग टोयलेट नहीं जाते, जिस पर प्राचार्य ने कहा कि हमारा तो अलग बना हुआ। तो पालक ने कहा कि सफाई कर्मी तो जाते होंगे उनको यह सब हरकत नहीं दिखती। जब पालक ने जाकर देखा पूरे टॉयलेट में गाली गलौज और अनाप-शनाप लिखा हुआ देखा। बवाल वाले दिन बच्ची के पिता भी पहुंचे अधिकारियों को अपनी शिकायत बताने के लिए । तो पीछे से आए प्राचार्य ने ताबड़तोड़ में हाथ पकड़कर पालक को अंदर ले जाकर शिकायत ना करने की बात कही। और हमने उस बच्चे का पता भी लगा लिया है। जिसने यह हरकत की और उसको हमने समझा भी दिया है। पर अभी आप यहां बवाल मत करो पहले से ही मामला गरम है।

विदिशा के दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धांजलि की अर्पित, सोशल मिडीया पर दिवंगतों के लिए अभद्र टिप्पणी से गर्माया मामला

थाने पर मामला दर्ज करवाने पहुँचे पत्रकार, तो मांगी गुजराती ने माफी, फिर की श्रद्धांजलि पोस्ट

पहली पोस्ट।

माही की गूंज, पेटलावद।

सोमवार रात एक सड़क हादसे में विदिशा के तीन पत्रकारो के दुःखद निधन हो गया था। मंगलवार को पेटलावद पत्रकार संघ कार्यालय पर नगर के सभी पत्रकारों द्वारा हादसे में दिवंगत विदिशा प्रेस क्लब अध्यक्ष स्वर्गीय राजेश शर्मा, सुनील शर्मा व नरेंद्र दीक्षित को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनिट का मौन रखा गया। कार्यालय पर उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए पत्रकार मनोज जॉनी ने सड़क हादसे में दिवंगत हुए पत्रकार साथियों की जानकारी दी और मौन रख कर श्रद्धाजंलि अर्पित की।

दिवंगत पत्रकारो पर व्यापारी ने की फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी

स्वयं के स्वार्थ के लिए लोभी लाशों को नोचने से भी नही चूकते भले उनसे उनका कोई लेना-देना न हो। ऐसा ही रायसेन जिले के भोपाल-विदिशा रोड़ पर ट्रक हादसे में विदिशा के तीन पत्रकारों (विदिशा प्रेस क्लब अध्यक्ष स्वर्गीय श्री राजेश शर्मा, सुनील शर्मा व नरेंद्र दीक्षित) की जैसे ही मौत की खबर सोशल मिडिया के माध्यम से आई सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के पत्रकारों में शोक की लहर छा गई। परन्तु नगर के एक व्यापारी सन्तोष गुजराती ने अपनी फेसबुक साइड पर यह शब्द लिखा कि, सुना है कि (आज एक्सीडेंट में 3 लुटेरों की मौत हो गई है) पेटलावद पत्रकारो ने व्यापारी के प्रति आक्रोश जताया। पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकारों को पेटलावद पत्रकार संघ कार्यालय पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद में सभी पत्रकार सामुहिक रूप से थाना प्रभारी अधिकारी पेटलावद को व्यापारी के खिलाफ मामला दर्ज कराने पहुचे। संतोष गुजराती को पत्रकारों के आक्रोश की जानकारी मिली तो अपनी पोस्ट डिलीट कर दूसरी पोस्ट की, जिसमे सफ़ाई दी गई कि, उसकी पहली पोस्ट का गलत मतलब निकाला गया ओर पोस्ट उन तीन लोगों के खिलाफ थी जो मुझे धोखा दे चुके हैं और उनकी मौत रतलाम-सेजावदा मार्ग पर हुई है। ये पोस्ट भी पत्रकारों को गुमराह करने के लिए डाली गई, जब इस सम्बंध में रतलाम के पत्रकारों से जानकारी मांगी तो पता चला कि, पिछले दिनों में ऐसी कोई दुर्घटना बताये हुए स्थान पर नही हुई जिंसमे तीन लोगों की मृत्यु हुई हो।

थाने पहुँच कर किया खेद व्यक्त कर माँगी माफी ,पोस्ट कर दुःख व्यक्त किया

अपने ही जाल में फंसा व्यापारी भी आनन-फानन में थाने पहुचकर पत्रकारो से अपने द्वारा फेसबुक पर जो आपत्तिजनक टिप्पणी पर पहले सफाई पेश की ओर जब दूसरे तीन लोगों के मरने वाले मेसेज की पुष्टि नही कर पाया जिसके बाद फिर अपनी गलती मांनते हुए खेद व्यक्त किया। माफी मांगते हुए कहा की आगे से ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग किसी भी दिवंगत आत्माओ के प्रति न करने की बात की। व्यापारी सन्तोष गुजराती ने माफी मागने के बाद में दुर्घटना में दिवंगत पत्रकारों के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दे कि, संतोष गुजराती पूर्व में सट्टे के कारोबार से जुड़ा रहा है और जिसके मामले भी थाने पर दर्ज है। पोस्ट के बाद पत्रकारों द्वारा उसके काले कारनामे उजागर होते देख उसको तुरंत जमीन नजर आ गई और अपनी गलती स्वीकार कर ली।

दुसरी पोस्ट।

माफी।

चौथी पोस्ट।

महाविद्यालय पर ताला जड़कर छात्र-छात्राओं ने किया प्रदशर्न, अव्यवस्थाएं व विभिन्न मांगों को लेकर विद्यार्थि परिषद ने सोपा ज्ञापन

माही की गूंज , पेटलावद। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् पेटलावद कालेज इकाई के कार्यकर्ता छात्रों ने शासकीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद कालेज में अव्यवस्थाएं व विभिन्न मांगों को लेकर विद्यार्थियों के साथ कालेज केम्पस के सभी गेट पर ताले लगाकर आक्रोशित छात्रों ने आन्दोलन प्रदर्शन करते हुए कालेज प्रशासन प्राचार्य मुरादाबाद नारे के साथ आक्रोशित छात्रों ने जमकर कालेज प्रशासन प्राचार्य का विरोध किया पेटलावद तहसीलदार कालेज परिसर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बिच पहुंचे व छात्रों को समझने कि कोशिश पर छात्रों ने कहा पहले भी हमने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा था। आन्दोलन नेतृत्व का कर रहे अभाविप के जिला संयोजक प्रताप कटारा ने बताया की महाविद्यालय के छात्र-छात्राओ को कोई सुविधा मिल रही है जिसको लेकर आज आंदोलन किया गया जिसमें हमारी मुख्य मांग ,महाविद्यालय के प्राचार्य को हटाया , कमरों की साप सफाई व प्रतिदिन शौचालय की साफ-सफाई कर नल में पानी की व्यवस्था की जाएं, फ्री वाई फाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएं, स्थाई प्राध्यापक प्रोफेसर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएं, लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएं साथ ही उसमें बैठने की व्यवस्था भी की जाएं, सभी कक्षाओं में सफ़ेद मार्कर बोर्ड लगाए जाएं, नई बिल्डिंग बन रही उसका कार्य गुणवत्ता विहिन चल रहा है, पीने के पानी की व्यवस्था, छात्राओं के लिए छात्रावास को संचालित किया जाएं, लाईब्रेरी में बुक लिफ्टर की नियुक्ति व जनभागीदारी से कम्प्यूटर आपरेटर बाबू कि नियुक्ति की जाएं। महाविद्यालय नाराज छात्रों ने लगातार 5 घंटे तक कालेज मेन गेट पर ताले लगाकर कर प्रदर्शन करते रहे हैं,व तहसीलदार व जनभागीदारी अध्यक्ष व साथ के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक सभी पहुंचे, व कहा आज ही जनभागीदारी समिति की बैठक रखी गई है आप अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रतिनिधित्व मंडल इस बैठक में पहुंचे आपनी मांगे को लेकर पहुंचे बड़ी आंदोलन प्रदर्शन रोहित सिंह सेधव जिला संयोजक प्रताप कटारा में कालेज केम्पस अध्यक्ष राहुल परमार, विकास भूरिया कालेज केम्पस अध्यक्ष थांदला, मंत्री अजय भाबोर उपाध्यक्ष मुकेश कटारा, छात्रा प्रमुख रितिका पांचाल, राजकुमारी बिलवाल, सह मंत्री पवन हटिला, नरेंद्र हामड़ आदित्य पाठक, संतोष पारगी,कुशी चरपोटा माया गरवाल, धापु गणावा रामकन्या खड़िया, सपना धामनिया, महीमा जयसवाल, आरती, रोशनी,प्रिया, कैलाश, दिनेश, राहुल,हिमसिंग, कृष्ण, कालेज के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आंदोलन प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा 5 दिनों में समस्याओं का समाधान किया जाए छात्र हित को ध्यान में रखते हुए मांगे पूरी की जाएं मांगे पुरी नहीं होने पर चक्का जाम किया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

साला मैं तो साहब बन गया, मैं जो कहूं वही सही बाकी सब गलत...2

गूंज की खबर तो सही पर खबर का खबरी कौन...? की तलाश में जुट रहे नायब तहसीलदार

माही की गूंज, खवासा।

यह पुरानी कहावत तो हम सभी ने सुनी है कि, कुत्ते की पूछ 12 महीने तक भी भोंगली में डालकर रखो तो भी वह कभी सीधी होने वाली नहीं है।

हम प्रशासनिक नुमाइंदो की बात करें तो जिन्होंने अनियमितताएं, मनमानी व भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बना दिया है। अगर कोई उस कुत्ते की दुम की तरह भोंगली में डाल उनकी कार्य व्यवस्था को सीधा व सही करने का प्रयास करें तो यह भ्रष्ट नुमाइंदे अपनी कार्यशेली में सुधार न लाकर उस व्यक्ति की तलाश में जरूर जुट जाता है, जिसने कहीं न कहीं उस कुत्ते रूपी दुम यानी उनके द्वारा अनियमितताएं एवं मनमानी के साथ भ्रष्टाचार रूपी कार्यशेली को सीधा करने का प्रयास किया जाता है।

माही की गूंज क्षेत्र के विकास व आमजन के हितों के लिए बेबाकी के साथ तथ्यात्मक रूप से समाचारों का संकलन करता है। इसी कड़ी में गूंज के पिछले अंक में ÷साला मैं तो साहब बन गया, मैं जो कहूं वही सही बाकी सब गलत÷ शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित किया था। जिसमें खवासा टप्पा तहसील पर पदस्थ नायब तहसीलदार अनिल बघेल की कुछ कालगुजारी को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था, जिसमें ÷साला मैं तो साहब बन गया और मैं जो कहूं वह सही÷ की तर्ज पर साहब अपनी साहबगिरी इस तरह झाड़ते हैं कि, पूरी कानून व्यवस्था या नियम कायदे सिर्फ नायक साहब कह दे वही होता है,

बाकी असल नियम व व्यवस्था से उन्हें कोई लेना-देना नहीं होता है। उप लोकसेवा केंद्र खुल जाने के बाद भी सप्ताह में एक ही दिन गुरुवार को कार्यालयिन कार्य खवासा में बैठकर करने के साथ अपने कार्य की इतिश्री कर देते हैं। तथा अपने बाबू रमेश लछेटा एवं पटवारी के माध्यम से हर कार्य का मेहताना अलग से लेकर कार्य की इतिश्री करते हैं और जिसमें पैसा नहीं मिलता उस कार्य को लंबित अवस्था में डाल देते हैं। वही रिकॉर्ड में इस तरह से हेर-फेर कर देते हैं कि, व्यक्ति को आकर इन्हें दान-दक्षिणा देने के साथ ही वह कार्य हो सकता है।

इसी तर्ज पर किसानों द्वारा जिस फसल की उपज की गई, उसे रिकॉर्ड में निरंक बता दिया। जिसकी शिकायत होने पर नायब तहसीलदार अनिल बघेल की कारस्तानी पटवारी पर भारी पड, पटवारी रूपसिंह भूरिया को कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा निलंबन की कार्रवाई का शिकार होना पड़ा था। साथ ही उल्लेख किया था कि, नायब तहसीलदार अनिल बघेल के बाबू रमेश लछेटा, साहब के निर्देशन में रिश्वत लेने में माहिर है, जो कि पूर्व में झाकनावदा टप्पा तहसील में पदस्थ होकर लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों धर दबोचा था। का समाचार प्रकाशित होने पर क्षेत्रवासियों को आशा थी कि, साहब उक्त अपनी कारस्तानी के समाचार प्रकाशित होने के बाद अपनी मनमानी के साथ की जाने वाली कार्यशैली में सुधार लाकर प्रतिदिन खवासा टप्पा तहसील पर बैठ, अपना निवास स्थान खवासा में हीं करने के साथ क्षेत्रवासियों को समय के साथ टप्पा तहसील संबंधित समस्त कार्य बिना भेदभाव के साथ विधि सम्मत किए जाएंगे। परंतु साहब ने अपनी वास्तविक कार्यशैली को बताते हुए उस कुत्ते की दुम को भोंगली में डालने वाली बात को चरितार्थ करते हुए, अपनी कार्यशैली में सुधार न लाते हुए उनकी अनियमितताएं व मनमानी रुपी भ्रष्टाचार वाली कार्यप्रणाली को सीधा करने का किसने प्रयास किया कि, तलाश में जुट गए। नतीज़न साहब की चमचागिरी करने वाले दलाल के माध्यम से गूंज के खवासा कार्यालय में उपस्थित माही की गूंज के स्टॉप को 9893639342 से अनगिनत फोन कर दलाल के माध्यम से जानकारी निकालने का प्रयास किया की, गूंज में नायब साहब के संबंध में जो समाचार छपा है वह प्रमाणिकता के साथ सत्य है, पर यह पुख्ता जानकारी ऑफिस में आकर पत्रकार साहब को किसने दी...? दलाल ने पूछा। साथ ही दलाल कहता है कि, समाचार पढ़ने के बाद नायब तहसीलदार भी खवासा में आकर राउंड लगा रहे हे...!

हम यहां ऐसे दलालों को यही कहेंगे कि, आपकी चमचागिरी व भड़वई गिरी आपके ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के सामने ही करें, हर किसी को आप व आपके साहब जैसे बईमान या एहसान फरामोश न समझे। वही नायक साहब, क्षेत्रवासी यही चाहते हैं कि आप अपना कार्य इमानदारी से आकर जिस स्थान पर और जिस कार्य के लिए आपको पदस्थ किया है, वह बिना भेदभाव के साथ नियमित यहां रह कर करें न की यह तलाश करें कि, आपकी भ्रष्टरूपी कार्यशैली के संबंध में पत्रकार को आकर किसने जानकारी दी व उस पर भोकने व काटने का प्रयास न करे...।

राशन की दुकानों पर हो रही हेरा-फेरी

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान चाहे जितना भी इमानदारी का ढिंढोरा पीट ले और मंच से भ्रष्टाचारियों को नहीं छोड़ने का दावा कर ले लेकिन धरातल पर कुछ और ही नजर आ रहा है। एक तरफ मुख्यमंत्री मंच से भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने की बात करते हैं तो दूसरी तरफ उन्हीं के पदाधिकारी एवं सरकार के नुमाइंदे भ्रष्ट लोगों को बचाने में लगे रहते हैं और खुद भी उन्ही का हिस्सा बन कर रह जाते है। थांदला तहसील में भ्रष्टाचारी दीमक की तरह बढ़ती ही जा रही है, इस पलवाड क्षेत्र में बिना लिए-दिए किसी का कोई काम होता ही नहीं है। चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो या राजस्व के क्षेत्र में हो या ग्राम पंचायत ही क्यों ना हो, छोटा से छोटा कर्मचारी बिना गांधी छाप के कोई कार्य ही नहीं करता है। यहां पर तो गरीब आदिवासियों का अनाज ही उड़ा दिया जाता है उसके बाद भी शिवराज मामा गुंडे-बदमाशों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का ढिंढोरा पीट रहे हैं।

काकनवानी सहकारिता राशन के अंतर्गत आने वाली करीब 10 उचित मूल्य की दुकान है। जिसमें से दो दुकान का सेल्समैन विधायक का जमाई एवं जनपद सदस्य का पति एवं पारिवारिक रूप से कई राजनीतिक संबंध भी है, जिसे ग्राम पांचखेरिया एवं भीम पुरी की दुकानें दे रखी है। यह प्रभावशाली सेल्समैन पूर्व में आमली दोलपुरा की उचित मूल्य की दुकान से हेरा-फेरी करने व दुकान नहीं खोलने के कारण हटा दिया गया था। लेकिन कुछ समय के बाद पुनः ग्राम गोरिया खानदान की राशन दुकान पर लगा दिया गया, वहां भी यही हालत हुए और ग्रामवासियों ने हटवा दिया। यहां से पांचखेरिया एवं भीम पुरी की दुकान पर पदस्थ किया गया। लेकिन कहते हैं कि, आदत से मजबूर हो उसका कुछ नहीं हो सकता वहां भी अपनी करने से बाज नहीं आ रहा है। दोनों ही उचित मूल्य की दुकानों पर में से जिस भी दुकान मे राशन रखा हो वहां की दुकान खोलकर वही के लोगों को राशन उपलब्ध कराना होता है, लेकिन प्रभावशाली सेल्समैन भिमपुरी कोटे का राशन भी पांचखेरिया से सप्लाई कर रहा था। पूरा मामला मध्याहन भोजन को लेकर गरमाया हुआ है जहां का राशन उसी दुकान से देना है लेकिन ऐसा नहीं करते हुए भीमपूरी का राशन पांचखेरिया दुकान से देने के लिए ग्रुप अध्यक्ष को टेंपो लेकर राशन दुकान पर बुलाया और मध्याहन भोजन का राशन टेंपो में भरवा दिया। इस बात पर ग्रामीणों ने राशन से भरा 11 कट्टे गेहूं पकड़े और फूट स्पेक्टर को बुलाकर सुपुर्द कर दिया। फूड इंस्पेक्टर ने पंचनामा बनाकर जांच में लिया और उक्त राशन पुलिस के माध्यम से काकनवानी उचित मूल्य की दुकान की ऑफिस पर देख-रेख के लिए रखवा दिया।

इस बात पर जब काकनवानी ऑफिस के बाबू एवं मैनेजर से बात करने पर बताया कि गेहूं हमारी निगरानी में रखे गए हैं जांच में जो भी आएगा उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

सेवानीवर्ती पर शिक्षक को दी विदाई

माही की गूंज, करवड़। सेवा समाप्त होने पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पर पदस्थ शिक्षक रामकृष्ण शर्मा का बुधवार को विदाई समारोह रखा गया। जिसमें स्कूल स्टाफ के द्वारा तिलक लगाकर श्रीफल, साल भेंट कर विदाई दी गई। समारोह में बैंड-बाजे के साथ बग्गी में बिठाकर स्कूल से घर तक घुमाया गया, जगह-जगह सेवानीवर्ती शिक्षक शर्मा का स्वागत किया गया जिसमें स्कूल स्टाफ से मानसिंह गामड़, संकुल बाबू क्रांतिसिंह गरवाल, मधुसूदन गामड़ ,ईश्वर केरावत, भंवर सिंह गहलोत, कालूसिंह सोलंकी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और समाजजन ने जगह-जगह फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

पैसा एक्ट को लेकर हुआ विशेष ग्राम सभा का आयोजन

माही की गूंज, काकनवानी।

पैसा एक्ट को लेकर पूर्व सांसद स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया के कई प्रयासों के बाद पैसा एक्ट कानून पास करवाया था। जिसे कई वर्षों बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू के मुख्य अतिथि में 15 नवंबर को पैसा एक्ट कानून लागू किया गया। आदिवासी समाज के सुधार व विकास के लिए जल, जंगल, जमीन में अपने अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए पेसा एक्ट कानून लागू किया गया है। एक विशेष हक और अधिकार के तहत नियम बनाएं जिसमें ग्राम सभा के द्वारा ग्राम वासियों को समझाइश देकर जल, जंगल एवं जमीन के लिए अपना अधिकार सुरक्षित रखें। ग्राम सभा में पैसा एक्ट लागू करने के बाद पंचायत में जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को छोड़ आम नागरिक में से ग्राम सभा के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही दो समिति बनाई गई, इन समितियों द्वारा विशेष ग्राम सभा में गांव के सभी वाद-विवाद, लड़ाई-झगड़े एवं समाज में चल रही कुरीतियों को लेकर निराकरण किया जावेगा, इसके साथ ही नशा मुक्त ग्राम बनाने पर भी विचार किया जाएगा।

अध्यक्ष व नई समिति बनाई गई

विशेष ग्राम सभा में पैसा एक्ट को लेकर सभी कार्य निवारण के लिए अध्यक्ष रादु बारिया को चुना गया एवं वाद-विवाद निवारण समिति एवं वन संपदा समिति बनाई गई। जिसमें शांति, विवाद, निराकरण हेतु मक्कन डामोर, रायचंद डामोर, दीवान मंगलिया डामोर, मलसिंह डामोर, श्रीमती मथुरी सुरेश निनामा, श्रीमती ललिता प्रकाश बारिया, श्रीमती सुनीता मुकेश निनामा को बनाया गया एवं वन संसाधन समिति के सुरेश लालू निनामा, प्रकाश वरसिंग खड़िया, दीवान डामोर, नाटिया गोम जी, रितेश कलसिंह डामोर एवं श्रीमती जोहा कलसिंह डामोर, श्रीमती कांजी रूपसिंह डामोर को समिति सदस्य में शामिल किया गया।

करणीसेना के नेतृत्व में जन-जागरण यात्रा शुरु

माही की गूंज, रायपुरिया। करणीसेना परिवार मध्यप्रदेश एवं टीम जीवनसिंह शेरपुर द्वारा 8 जनवरी 2023 को भोपाल में सर्व समाज के हित मे 21 सूत्रीय मांगों को लेकर होने वाले जन-आंदोलन को घर-घर तक पहुचाने के उद्देश्य से झाबुआ जिले में जन-जागरण यात्रा की शुरुआत आज से की जा रही है। जिसमे यात्रा गुरुवार को सुबह 10 बजे श्री विश्वमंगल तारखेड़ी धाम पर भगवान का आशीर्वाद लेकर भगवान के चरणों मे 21 सूत्रीय मांगों वाला पर्चा रखा जावेगा, जिसके पश्चात पूरे जिले में 1 लाख पर्चे जनजागरण यात्रा के माध्यम से घर-घर जाकर वितरित किये जायेगे। जन-जागरण यात्रा कार्यक्रम में करणीसेना ने सभी सम्मानीय लोगो के उपस्थित होने का आह्वान किया है ।

6 सट्टेबाज पुलिस की गिरफ्त में

माही की गूंज, थांदला।

मंगलवार को दो अलग-अलग स्थानों से सट्टा बाजी करते हुए, कुल 6 लोगों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 17 हजार 350 रुपये जब्त किए हैं।

जानकारी देते हुए थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने बताया कि, मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने चर्च मोहल्ला और पद्मावती रपट के पास दबीश दी। जिसमें आरोपी मिक्कू पिता कलजी मचार (46) नवापाडा कस्बा से 2100 रुपये, रवि पिता गलिया मईड़ा (30) नवापाड़ा कस्बा से 800 रूपये, नौशाद अली पिता नासिर खान (40) निवासी नूर मोहम्मद गली थांदला 5980 रूपये, तूफान पिता प्रेमचंद्र बामनिया (34) मछलीमाता 1430 रूपये, सुनील पिता पास्केल मचार (35) नवापाड़ा कस्बा थांदला 3010 रूपये, रोशन पिता जोसफ़ माचार (27) कस्बा नवापाड़ा 4030 रूपये जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 151 सीआरपीसी के तहत कार्यवाही की गई है।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कौशल्या चौहान, सूबेदार कमल मिंदन, सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र दोहरे, प्रधान आरक्षक सीताराम, रेवसिंह, आरक्षक राजेंद्र, नाहरसिंह, छगन, अनिल, भलसिंह, पुखराज, सत्येंद्र, आरक्षक चालक कुंवरसिंह, करमसिंह आदि का विशेष योगदान रहा। थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने बताया कि, शराब माफियाओं, सट्टेबाजों पर कार्यवाही जारी रहेगी।

वार्षिक क्रीड़ा उत्सव समारोह सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

कैथोलिक मिशन स्कूल का वार्षिक क्रीड़ा समारोह के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी श्रीवास्तव व समारोह में अध्यक्षता थाना प्रभारी कौशल्या चौहान, विशेष अतिथि फादर सोनू वसुनिया, सुबेर कमल मंडल उपस्थित थे। स्कूल प्रबंधक फादर अन्तोन कटारा व प्राचार्य सिस्टर रंजना ने अतिथियों का स्वागत शॉल व श्रीफल भेंट कर किया। स्वरूप श्रीवास्तव ने परेड की सलामी ली व छात्रों को मेहनत व लग्न से खेल तथा पढ़ाई कर माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन करने की शपथ दिलाई।

टीआई चौहान ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किया। मुख्य अतिथि श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं की खेल प्रतिभा की सराहना की। टीआई ने विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताया तथा सभी को कड़ी मेहनत व लगन से पढ़ाई करने की नसीहत दी। प्राचार्य सिस्टर रंजना ने इस अवसर पर वार्षिक शाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्कूल प्रबंधक फादर अन्तोन कटारा ने शालेय स्टॉफ व दोनों खेल प्रशिक्षक सावंत पारगी व राकेश डामोर को खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए प्रशंसा की। कार्यक्रम में पार्षद संदीप डामोर, पीआरओ कैथोलिक मिशन स्कूल थांदला पीटर बबेरिया, सरपंच पावागोई डांगी व छात्रों के अभिभावक ने भी प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन विनोद धानक व किशोर पोरवाल ने किया। आभार कैथोलिक मिशन स्कूल प्रबंधक फादर अन्तोन कटारा ने माना।

गौमाता, वृक्ष और ब्राह्मण की सेवा, सुरक्षा और सम्मान करने वाले पर ईश्वर कि विशेष कृपा होती है....भगवदाचार्य पण्डित श्री शुक्ला

कथा के पहले दिन हज़ारों श्रावकों ने कथा का श्रवण कर लिया धर्म लाभ

माही की गूंज, पेटलावद।

गोमाता, वृक्ष ओर ब्राह्मण की जो सेवा, सुरक्षा और सम्मान करते है, भगवान उन पर विशेष कृपा करते है। जिसकी जिव्हा पर भगवान का नाम होता है ओर जो प्रभु स्मरण निरन्तर करते है उनको मोक्ष मिलना निश्चित है। उक्त उद्गार विश्व प्रसिद्ध भागवद आचार्य श्रीहरि रमाकांतजी शुक्ला केश्वनारायनजी मन्दिर प्रतापगढ़ ने मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने वाले हजारों भक्तो को कथा के उदबोधन के दौरान कथा के प्रथम दिन कही।

उल्लेखनीय है कि, स्थानीय सरस्वतीनन्दन स्वामी भजनाश्रम (गुरुद्वारा) समिति ओर श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ आयोजन समिति द्वारा आयोजीत 9 दिवसीय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

भक्ति रस में झूम उठे कथा श्रावक

कथा में भगवान के 24 अवतारों का वर्णन के साथ ही भगवान के वराह अवतार ओर इक्ष्वाकु राक्षस के वध ओर श्रष्टि के निर्माण का व्रतांत सुनाया गया। वही पारम्परिक वाद्य यंत्रों पर सुमधुर भजनों में भक्तो ने भक्ति रस में डूबकर कथा स्थल पर नृत्य करते हुए भक्त झूम उठे। आज के प्रसंग की पुर्णाहुति होने के उपरांत श्रीकृष्ण, भगवदगीता ओर सरस्वतीनन्दन स्वामी की महाआरती उतारकर प्रसादी का वितरण किया गया।

विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारम्भ, पूरे नगर में हुआ जोरदार स्वागत

नगर के इतिहास में प्रथम बार अनूठे ओर ब्रह्द स्तर पर श्री सरस्वतीनन्दन स्वामी भजनाश्रम (गुरुद्वारा) समिति ओर श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ आयोजन समिति द्वारा 9 दिवसीय श्रींमद भगवद सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन 28 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक किया जा रहा है।

आयोजन का शुभारंभ सोमवार 28 नवम्बर से हुआ। जिसमे सुबह 9 बजे नगर के नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से विशाल कलश ओर शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के विभिन्न मार्गो ओर चौराहो से होकर निकाली गई। शोभायात्रा में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों ओर गुजरात, राजस्थान सहित दूरदराज से बडी संख्या में पधारे गुरुभक्त शामिल हुए। शोभायात्रा में महिलाओं और पुरुषों ने विशेष पारम्परिक वेशभूषा धारणकर सनातन संस्क्रति का शोभा बड़ाई।

जोरदार हुआ यात्रा का स्वागत

कलशयात्रा का नगर में विभिन्न चौराहो ओर जगह-जगह पर स्वागत मंच लगाकर, नगर परिषद, ब्राह्मण समाज, राजगोर ब्राह्मण समाज, राठौर समाज, गोड समाज, दर्जी समाज, स्वर्णकार समाज, सिर्वी समाज, जेन समाज, जोशी परिवार, जानी परिवार, शुक्ला परिवार, पाठक परिवार, सोनी परिवार सहित विभिन्न सामाजिक ओर धार्मिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर श्रीमदभागवद गीता की आरती उतार कर जोरदार स्वागत, वंदन अभिन्नदन किया।

संपादकीय

आत्मीय संबंधों में हिंसा तकलीफदेह

अभी श्रद्धा हत्याकांड में क्रूरता की कड़ियां सुलझी भी न थीं कि दिल्ली में एक और व्यक्ति के टुकड़े-टुकड़े करने का व्यथित करने वाला मामला उजागर हुआ। विडंबना ये कि हत्या में पत्नी व पुत्र शामिल थे। नि:संदेह आज भी हमारा बहुसंख्यक समाज मूल्यों का जीवन जीता है। लेकिन इक्का-दुक्का घटनाएं मीडिया के शोर में लोगों के विश्वास को डिगाती हैं। पहले ऐसी घटनाएं विदेशों में सुनाई देती थीं। विदेशों से निकलकर कब ऐसे विद्रूप रिश्तों ने भारतीय समाज में जगह बना ली, हमने महसूस ही नहीं किया। लेकिन एक बात तो तय है कि नजदीकी रिश्तों से मन भरना, हत्या करना और फिर फ्रिज में रखकर शव को टुकड़ों-टुकड़ों में ठिकाने लगाने का ट्रेंड समाज के लिए खतरे की घंटी बजाने वाला है। तुरत-फुरत बनते और उतनी तेजी से दरकते रिश्ते आज का कष्टकारी यथार्थ है। जो संयम, धैर्य और आत्मीय अहसास हमारी संस्कृति-जीवन के अभिन्न अंग होते थे, उनका विलोप होना तकलीफदेह है। कभी भारतीय परिवार-संस्कृति की पूरी दुनिया में मिसाल दी जाती थी। कई पश्चिमी देशों के नागरिक भारत आते थे और फिर से भारतीय पद्धति से विवाह करके सुखी जीवन की कामना करते थे। लेकिन पिछले वर्षों में पश्चिम संचालित सोशल मीडिया ने भारतीय समाज को इतने दंश दिए कि उतने तमाम विदेशी आक्रांताओं ने नहीं दिए। दरअसल, पारिवारिक रिश्तों के दरकने के मूल में हमारी सामाजिक व पारिवारिक परंपराओं का सिमटना भी है। भौतिक संस्कृति के प्रसार से तमाम जीवन मूल्यों का अवमूल्यन हुआ है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग रिश्तों में खटास और उतार-चढ़ाव आने पर एक सुरक्षा दीवार की तरह खड़े नजर आते थे। उनकी आंखों की शर्म और रिश्तों की गरिमा परिवार में संतुलन कायम रखती थी। लेकिन जैसे-जैसे हमारे जीवन में समाज की भूमिका खत्म हुई और संयुक्त परिवार बिखरे, एकाकी परिवार रिश्तों का त्रास झेलने लगे। व्यक्ति निरंकुश हुआ और उसकी निरंकुशता परिवार में टकराव की वजह बनी। यह टकराव कालांतर हिंसा में तब्दील हुआ। जो टुकड़े-टुकड़े होते रिश्तों के रूप में उजागर हो रहा है।

नि:संदेह, महानगरीय जीवन में संघर्ष बढ़ा है, चुनौतियां बढ़ी हैं, कार्य परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हुई हैं, जीवन की जटिलताओं और आपाधापी से तमाम तरह के मनोकायिक रोग बढ़े हैं। लेकिन हमारे जीवन में धैर्य व संयम का कम होना तमाम हिंसक संघर्षों का कारण बना है। आये दिन सामने आने वाली रोड रेज़ की घटनाएं हों या जरा-जरा सी बात में हत्या कर देना, ये ट्रेंड हमारे समाज के लिए खतरे की घंटी ही है। पहले समाज में मां-बाप ही बच्चों के रिश्ते तय करते थे और वे रिश्ते आमतौर पर स्वर्ण जयंती मनाते थे। सात जन्म निभाने की बात होती थी। लेकिन अब ऐसा क्या हो गया कि अपनी मर्जी से रिश्ते में रहने वाली श्रद्धा का हश्र इतना भयावह हुआ। दरअसल, पश्चिम संस्कृति की आंधी में पवित्र रिश्तों को सिर्फ यौनिक सुख तक सीमित कर दिया गया है। कभी पश्चिम मीडिया में रिश्तों में क्रूरता की जो खबरें सुनकर हम हैरान होते थे, वे खबरें अब आम होती जा रही हैं। दरअसल, नैतिक मूल्यों का कोई स्थानापन्न नहीं है, जीवन साथी के साथ विश्वास स्थापित करने का दूसरा विकल्प नहीं है। कहीं न कहीं दिल्ली की दोनों घटनाओं में निरंकुश यौन व्यवहार व रिश्तों में अविश्वास ही मूल कारण रहा है। लेकिन इस अविश्वास व आक्रोश का खूनी प्रतिशोध में बदलना समाज के लिए गहरी चिंता की बात है। यह समाज विज्ञानियों के लिए मंथन का विषय है कि, क्यों भारतीय समाज विद्रूपताओं से घिर रहा है। सबसे बड़ा सवाल समाज में नैतिक मूल्यों के पतन का है। हमारी सोच के सिर्फ और सिर्फ भौतिकवादी होने का है। हमें फिक्र होनी चाहिए कि, आने वाला समाज कैसा होने जा रहा है। भोग-लिप्सा की यह संस्कृति आखिर कहां जाकर थमेगी। यहां सवाल यह भी है कि, हमारे राजनीतिक परिवेश व व्यवहार में जो हिंसा पिछले दशकों में नजर आई है, क्या समाज भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है...? हमारी फिल्में जो आपराधिक कहानियों व दृश्यों से भीड़ जुटा रही थीं क्या उस भीड़ ने उस खूनी हिंसा को अपने व्यवहार में आत्मसात कर लिया है...?

हाइपर जिमिंग से युवाओं की जान को जोखिम

शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों टेलीविजन जगत के मशहूर अभिनेता 46 वर्षीय सिद्धांत वीर सूर्यवंशी की जिम में वर्कआउट करते समय हार्ट अटैक आने से मृत्यु हो गई। इससे पूर्व हास्य कलाकार 58 वर्षीय राजू श्रीवास्तव और 40 वर्षीय सिद्धार्थ शुक्ला की मौत भी जिम में वर्कआउट करने के दौरान दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। इसके अतिरिक्त दक्षिण भारत की फिल्मों के हीरो 46 वर्षीय पुनीत राजकुमार की हार्ट अटैक से और 53 वर्षीय गायक केके की मौत भी कार्डियक अरेस्ट होने से हुई थी।

पहले माना जाता था कि, हार्ट अटैक का खतरा बुजुर्गों को होता है। लेकिन अब इसकी चपेट में नौजवान भी आने लगे हैं। पैसे खर्च करके लोग जिम में सेहत बनाने के लिए जाते हैं। वहां वो ट्रेनर की मौजूदगी में वर्कआउट करते हैं, ताकि जल्द से जल्द मसल्स गेन कर सकें, मोटापा दूर कर सकें और फिट बॉडी पा सकें। लेकिन पिछले कुछ दिनों से हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों से जिम जिंदगी के लिए खतरनाक साबित हो रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार कई बार 'ओवर एक्सरसाइज' जिम में वर्कआउट करने के दौरान मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बनता है। हमें बहुत ज्यादा और बहुत तेज वर्कआउट करने से बचना चाहिए। जब आप वर्कआउट कर रहे हैं तब न तो बहुत अधिक वजन उठाए, न किसी वर्कआउट की अति करें। उम्र बढ़ने के साथ इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। असल में एक्सरसाइज और हार्ट के बीच सीधा कनेक्शन है। जब आप तेजी से दौड़ते हैं या फिर ज्यादा एक्सरसाइज करते हैं तो महसूस करते होंगे कि हार्ट ज्यादा तेज धड़क रहा है। नॉर्मल एक्सरसाइज करने वालों की तुलना में जिम में ज्यादा वर्कआउट हार्ट पर प्रेशर डालती है जो सेहत के लिए सही नहीं होता है। धावकों पर एक अध्ययन में पाया गया था कि तेज दौड़ने की वजह से धावकों के हृदय की क्षति से जुड़े बायोमार्कर पाए गये थे। हालांकि ये बायोमार्कर अपने आप दूर हो जाते हैं। लेकिन हार्ट अगर ज्यादा शारीरिक तनाव को बार-बार सहता है तो यह स्थायी हो सकता है। डॉक्टरों का यह भी कहना है कि जिम में ज्यादा देर तक एक्सरसाइज करना, ट्रेड मिल पर ज्यादा दौड़ने से दिल की बीमारी की आशंका बढ़ जाती है। दिल का दौरा तब आता है जब हार्ट में ब्लड का फ्लो गंभीर रूप से कम या बाधित हो जाता है।

ज्यादा एक्सरसाइज हृदय की मांसपेशियों के हिस्से को नुकसान पहुंचा सकती है। जिससे हार्ट अटैक हो सकता है। ऐसा नहीं है कि जिम में एक्सरसाइज करते ही हार्ट अटैक आ गया। इसके पीछे कई और कारण जिम्मेदार होते हैं। जैसे तंबाकू-धूम्रपान, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और फैमिली हिस्ट्री भी होती है। यहां तक कि मानसिक तनाव भी हार्ट अटैक की वजह बन सकती है।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से हार्ट अटैक की घटनाएं ज्यादा सामने आ रही हैं। पहले लगा कि कोरोना के इलाज के दौरान ली गई दवाओं से खून में थक्के ज्यादा बनने की वजह इसके पीछे हो सकती है। लेकिन अब यह देखने में आ रहा है कि बिना कोरोना के भी लोग दिल की बीमारियों की गिरफ्त में आ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि बहुत युवा उम्र में ही उन्हें यह सब झेलना पड़ रहा है। हैरानी यह है कि फिटनेस का विशेष ध्यान रखने वाले लोग भी हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं। पिछले दो सालों में कई मैराथन रनर भी हार्ट अटैक की चपेट में आए हैं। दरअसल फिटनेस का शौक रखने वाले लोग और युवा भी तनाव भरा जीवन जी रहे हैं। इससे उनके दिल की सेहत पर भी नेगेटिव प्रभाव पड़ रहा है। एक तरह से देखा जाए तो स्ट्रेस, एंजाइटी और खराब खानपान ही हमारे दिलों तक पहुंचने के रास्तों को ब्लॉक कर रहे हैं और ये ब्लॉकेज ही हार्ट अटैक का रूप ले रहे हैं।

आजकल के युवा, एथलीट्स और बॉडी बिल्डर्स स्टेरॉयड का बहुत इस्तेमाल करते हैं जो कि बहुत नुकसानदायक है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार स्टेरॉयड का इस्तेमाल दिल का दौरा पड़ने की संभावना को कई प्रतिशत तक बढ़ा देता है, खासकर युवाओं में। स्टेरॉयड्स सिर्फ हृदय को ही नहीं बल्कि लीवर, किडनी और शरीर के दूसरे अंगों को भी बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि अगर आप स्टेरॉयड्स ले रहे हैं तो समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराना भी बहुत जरूरी है। दिल के ब्लॉकेज के साथ सबसे बड़ा खतरा यह है कि कई बार शरीर को मालूम ही नहीं चल पाता कि दिल पर खतरा आ गया है। दिल तक खून पहुंचाने वाली नलियों में ब्लॉकेज होने से हमें थकान लगना शुरू हो जाती है, लेकिन हम इसे सामान्य बात मानकर इसके लिए दूसरी वजहें खोजने लगते हैं। जो किस्मत वाले होते हैं, उन्हें दिल का छोटा दौरा पड़ता है और सही समय पर इलाज मिलने से वे बच जाते हैं। लेकिन किस्मत खराब होती है, तो लोग बड़े दौरे का शिकार हो जाते हैं और बचने का मौका नहीं मिल पाता।

एक शोध के अनुसार पर्याप्त नींद नहीं लेने वाले युवाओं में हृदयाघात का खतरा ज्यादा हो रहा है। नींद और हृदय रोग के बीच पारस्परिक संबंध हैं। अध्ययन के दौरान बेसलाइन स्लीप स्कोर और स्लीप स्कोर में समय के साथ होने वाले परिवर्तन और हृदय रोग के बीच संबंधों की जांच की गई तो यह तथ्य सामने आए। पर्याप्त नींद नहीं लेने के अलावा खानपान में लापरवाही बरतना और दिनचर्या का नियमित नहीं होना भी युवाओं में हृदयाघात की बड़ी वजह बन रहा है। सोते समय देर रात तक मोबाइल देखने से भी नींद समय पर नहीं आती। यह भी कम उम्र में हार्ट अटैक के प्रमुख वजहों का कारण है। क्योंकि इससे नींद के घंटे काफी हद तक कम हो जाते हैं। हृदयाघात के मुख्य वजहों की जानकारी के लिए टीम ने 7 हजार 200 लोगों पर 10 वर्ष तक गहन शोध किया। इसमें शराब पीने वाले, धूम्रपान करने वाले, व्यवसायी और सामान्य लोगों को सम्मिलित किया गया था। इस दौरान कोरोनरी हृदय रोग और स्ट्रोक का बाकायदा अध्ययन किया गया। जिन रोगियों में नींद के घंटे बढ़ाने जाने लगे, उनमें हृदय रोग का खतरा कम होने लगा और हार्ट की कार्यक्षमता भी बढ़ने लगी।

कुल मिलाकर लोगों को संतुलित और सह अस्तित्व के साथ जीवन जीना सीखना होगा, जिसमें किसी भी चीज की अति न हो। युवाओं को आधुनिक माहौल में हाइपर जिमिंग से बचना होगा और संतुलित आहार-विहार पर विशेष ध्यान देना होगा।

कीटों पर मंडराता विलुप्ति का संकट

जलवायु परिवर्तन के चलते होने वाले नुकसान का अधिकांश आकलन इंसानों और उनसे संबंधित प्रक्रियाओं को केंद्र में रखकर होता रहा है। वहीं ताजा अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी की अधिकांश कीट पतंगों की आबादी विलुप्त होने वाली है। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने अध्ययन में पाया है कि मौसमी बदलावों की वजह से धरती के 65 फीसदी कीट अगली सदी तक विलुप्त हो जाएंगे। तापमान में हो रहा बदलाव कीटों की आबादी को अस्थिर करते हुए विलुप्ति के जोखिम को बढ़ाएगा। शोधकर्ताओं ने पाया कि अध्ययन में शामिल 38 कीट प्रजातियों में से 25 को विलुप्ति का सामना करना पड़ेगा। मौसमी बदलावों की स्थिति में ठंडे खून वाले कीटों का अस्तित्व सबसे ज्यादा खतरे में है, क्योंकि ये शारीरिक तापमान को नियंत्रित करने में समर्थ नहीं होते।

ऐसे में कीटों की विलुप्ति पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करेगी, क्योंकि ये परागण के माध्यम से फलों, सब्जियों और फूलों के उत्पादन में सहायता करते हैं। कार्बनिक पदार्थों को विघटित कर हानिकारक कीटों को नियंत्रित करने में भी इनकी भूमिका है।

हाल में आई अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में भी कहा गया कि जलवायु परिवर्तन से कुछ कीट जीवित रहने के लिए ठंडे वातावरण में जाने को मजबूर होंगे, जबकि अन्य की प्रजनन क्षमता, जीवन चक्र और अन्य प्रजातियों के साथ समन्वय प्रभावित होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कीटनाशक, प्रकाश प्रदूषण, आक्रामक प्रजातियां और कृषि व भूमि उपयोग में बदलाव भी इनके लिए बड़े खतरे हैं। बता दें कि दुनियाभर के सभी ज्ञात जीवों में से 75 प्रतिशत कीट हैं। वर्ष 2019 में हुए एक शोध में भी वैज्ञानिकों ने चेताया था कि एक दशक बाद 25 फीसदी, 50 साल में आधे और 100 साल में सभी कीट धरती से पूरी तरह से गायब हो जाएंगे।

नये अध्ययन में पाया गया कि 20वीं सदी की शुरुआत से ही कीटों की तादाद घटने लगी थी। जैसा कि इसके लिए कीटनाशकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। लेकिन सबसे चिंताजनक बात यह है कि बीते दशकों में दुनियाभर में कई कीटों की प्रजातियां 70 फीसदी तक कम हुई हैं। वैश्विक स्तर पर इनकी तादाद 2.5 फीसदी की दर से प्रतिवर्ष कम हो रही है। अध्ययन में चेताया गया है कि इन्हें जानवरों, सरीसृप और पक्षियों की

तुलना में 8 गुना ज्यादा विलुप्ति का खतरा है।

कीट सभी स्थलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए जैविक नींव के रूप में कार्य करते हैं। इनके बिना प्रकृति का संतुलन बिगड़ना तय है। मालूम हो कि स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिये ये अत्यंत आवश्यक हैं। कीट पोषक तत्वों के चक्रण, पौधों के परागण और बीजों के प्रसार या स्थानांतरण में सहायक होते हैं। इसके अलावा, ये मृदा संरचना को बनाए रखने, उर्वरता में सुधार करने तथा अन्य जीवों की जनसंख्या को नियंत्रित करने के साथ-साथ खाद्य श्रृंखला में एक प्रमुख खाद्य स्रोत के रूप में भी कार्य करते हैं।

पृथ्वी पर लगभग 80 फीसदी पुष्प पादपों का परागण कीटों द्वारा किया जाता है। भौंरे, मधुमक्खियां, भृंग, तितलियां और मक्खियां परागण में सहायक होती हैं। इसके अतिरिक्त, लेडीबर्ड बीटल्स, लेसविंग, परजीवी ततैया जैसे कीट अन्य हानिकारक कीटों, आर्थ्रोपोड्स और कशेरुकियों को नियंत्रित करते हैं। साथ ही, कीट मृदा उर्वरता में भी सुधार करते हैं। गुबरैला एक रात में अपने वज़न के लगभग 250 गुने गोबर को निस्तारित कर सकता है। ये गोबर को खोदकर और उपभोग करके मृदा पोषक-चक्र व उसकी संरचना में सुधार करते हैं। गुबरैले की अनुपस्थिति गोबर पर मक्खियों को एक प्रकार से निवास प्रदान कर सकती है। अतः कई देशों ने पशुपालन के लाभ और बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए यह प्रस्तावित किया है। पर्यावरण की सफाई में भी इनकी महती भूमिका है। ये मृत और जैविक अपशिष्टों के विघटन में सहायक होते हैं। कीट पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य संकेतक के रूप में कार्य करते हैं।

ऐसे में यह कहा जा सकता है कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में कीटों का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान है। इनके बिना पारिस्थितिक तंत्र को स्वच्छ रखा जाना काफी मुश्किल होगा। जैव-विविधता के लिहाज से भी कीटों की उपस्थिति बेहद जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर प्रवाल जीवों के असामयिक विनाश का मुख्य कारण भी ओजोन परत में ह्रास को माना जा रहा है।

लेखक :- अली खान

खुशफहमी पालने का रोग

अपने बचपन की फोटुओं के एलबम सभी के पास होंगे, मेरे पास भी हैं। जब-तब दिल किया उन्हें देख लिया। कई बार तो ऐसा भी किया, जब उन फोटुओं को खुद देखते-देखते बोर हो जाता तब घर या बाहर के किसी सदस्य को पकड़ लाता उन्हें दिखाने को। लेकिन अब वे भी उन फोटुओं को देख-देखकर पक चुके हैं। अतः उन्होंने मुझसे किनारा करना शुरू कर दिया। मुझे दूर से आता देखकर ही दाएं-बाएं हो जाते हैं।

मैं बड़ा परेशान रहने लगा कि किसी से भी अपने बचपन की फोटुओं पर तारीफ सुनने को नहीं मिल पा रही। सब के सब एक कोने में यों ही धरे रखे हैं। काफी सोच-विचार के बाद मैंने एक रास्ता चुना; बचपन की फोटुओं को अपने फेसबुक पर लगाने का। एक-एक कर सभी फोटूएं वहां लगाईं। दिन-रात मेरा इसी में गुजर जाता। चाहे घर में होऊं या दफ्तर में, जागा हुआ हूं या सोने जाता हुआ अपनी फोटूएं फेसबुक पर टांगना न भूलता। यह सिलसिला अभी भी बदस्तूर जारी है।

इसका फायदा मुझे यह मिला कि एक दिन में कितने की लाइक्स और कमेंट्स गिरने लगे। बधाई, शुभकामनाओं और वाह-वाह की बाढ़-सी आ गई। एक काम मैंने और किया कि अपनी फ्रेंड लिस्ट में शामिल एक-एक व्यक्ति को पोस्ट में मैंने टैग कर दिया। जिन्हें नहीं देखने का मन था, वे भी देखेंगे और बच रहेंगे। कुछको तो मैंने उन फोटुओं को इनबॉक्स भी कर दिया। साथ ही सख्त हिदायत भी लिख दी कि पसंद आयेगी।

कुछ भी कहिए, फेसबुक इस प्रकार की नौटंकियों के लिए सबसे उपयुक्त जगह है। एक मैं ही नहीं यहां हर कोई यही कर रहा है। बड़ेदृबड़े लेखक, बुद्धिजीवी, कवि, व्यंग्यकार, चित्रकार, कलाकार यही कर रहे हैं। उनका दिन ही अपनी फोटू को लगाने और बधाइयां पाने से शुरू होता है। चाहे शादी की वर्षगांठ हो या शादी पक्की हुई हो या शादी का विचार मन में आया हो, सब कुछ यहां साझा किया जाता है।

और हां, जन्मदिन मनाने वालों की तो कुछ पूछिए ही मत। मैंने तो यहां तक देखा है कि लोग अपने जन्मदिन के साथ-साथ अपनी साली के बेटे की बेटी के ससुर तक की फोटूएं यहां डालकर कहते हैं कि इन्हें भी बधाइयां दीजिए।

फेसबुक का बेहतर इस्तेमाल वही लोग कर रहे हैं, जो अपनी हर किस्म की फोटूएं इस पर डालकर खुश होते हैं। अमूमन सोशल मीडिया पर दिखने वाला हर चेहरा खूबसूरत ही होता है। खूबसूरत न भी तो तरह-तरह की ब्यूटी एप्स उसे खूबसूरत बना देती हैं। काली-सफेद तस्वीरें पल भर में गोरी व रंगीन हो जाती हैं।

ये तो बचपन की फोटूएं रहीं, लोग तो सेवा-टहल तक की तस्वीरें लगाकर आत्ममुग्ध हुए रहते हैं। सीन इतना बदल गया है कि लोग लेखक की किताब के साथ सेल्फी लगाकर उस पर समीक्षा की मोहर लगा देते हैं। किताब पढ़ने का झंझट ही खत्म।

फेसबुक पर हम तरह-तरह की फोटुओं की दुनिया के बीच हैं। उन्हें देखना और तारीफ भी करना नियति है। इस बीमारी या आत्ममुग्धता से बचा कोई नहीं है। फिर भी, जो बचे हैं वे कहीं हाशिए पर पड़ेदृपड़े कभी फेसबुक तो कभी खुद को कोसते रहते हैं।

लेखक :- अंशुमाली रस्तोगी

नेपाली सरकार के गठन में कूटनीतिक दांवपेच

काठमांडो स्थित सत्ता के गलियारों में दो दूतावासों का खेल गर्माया हुआ है। चीनी दूतावास की कोशिश रही है कि, चुनाव बाद नेपाल के कम्युनिस्ट नेता फिर से एक हो जाएं। तराई व राजावादी सांसदों से सौदेबाज़ी कर सरकार बना लें। उन्हें काउंटर करने के इरादे से भारतीय राजदूत भी प्रधानमंत्री निवास बालुआटार पहुंचे। काठमांडो स्थित भारतीय राजदूतावास इसकी तफसील देने से इंकार कर रहा है, मगर प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के परराष्ट्र सलाहकार अरुण सुवेदी ने बताया कि भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव बालुआटार आये थे, उन्होंने समसामयिक राजनीति पर 'पीएम ज्यू' से छलफल (विमर्श) किया था। वहीं चीनी दूतावास भारतीय राजदूत की शेर बहादुर से मुलाक़ात को लेकर सतर्क है। दूतावासों में होड़ लगी है कि सरकार उनके मुताबिक़ बने।

चुनाव से चार माह पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी में इंटरनेशनल डिपार्टमेंट के प्रभारी लिउ चिएनचाओ काठमांडो आये थे। यह 10 जुलाई 2022 की बात है, जब लिउ चिएनचाओ की मुलाक़ात खुमल्टार निवास पर माओवादी नेता प्रचंड से हुई थी। इसके प्रकारांतर लिउ पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्माओली, माधव नेपाल और झलनाथ खनाल से भी मिले थे। लिउ चिएनचाओ का मकसद था कि अभी नहीं तो चुनाव बाद ओली की 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)', प्रचंड के नेतृत्व वाली 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी केंद्र)' और 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी)', जिसके नेता माधव नेपाल हैं, एक प्लेटफार्म पर आ जाएं। इस समय नेपाल में यदि वाम का झाम फैला तो सत्तालोलुप दलों व पांच निर्दलीयों से सौदेबाज़ी आसान होगी।

नेपाल में जो लोग वामपंथी नेताओं के एकजुट होने की उम्मीद बांधे बैठे हैं, वो उस अतीत को याद दिलाते हैं, जिसमें चीनी दूतावास की पहल पर मई 2018 में एकीकृत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ था। तब प्रचंड और ओली गुटों में विलय हो गया था। 2017 के आम चुनाव में नेकपा-एमाले और माओवादी साथ-साथ चुनाव लड़े थे, अपेक्षित परिणाम के कुछ महीनों बाद 2018 में विलय हुआ। मगर, 2021 में ओली और प्रचंड के बीच इतना घमासान हुआ कि दोनों ने एक दूसरे को पार्टी से निकाला और कुट्टी कर ली। खाई को चीनी राजदूत होऊ यांगशी नहीं पाट पाई।

यों, नेपाल में वामपंथ की राजनीति में टूट, विलय बहुत बार हुआ है। 'नेकपा-एमाले' का गठन 1991 में हुआ था। उस समय यूनाइटेड लेफ्ट फ्रंट, नेकपा (मार्क्सवादी) और नेकपा (लेनिनवादी) का विलय कराया गया था। 1991 के आम चुनाव में नेकपा एमाले दूसरे नंबर की पार्टी बन गई। 1994 में पहली बार नेकपा-एमाले की सरकार बनी। 1998 में नेकपा-एमाले में टूट हो गई, जिसका खमियाज़ा 1999 के चुनाव में उसे भुगतना पड़ा।

बहरहाल, नवंबर 2022 के समर में देउबा और दाहाल अपने चिर शत्रु ओली को रोकने में विफल रहे। नेपाली कांग्रेस के व्यूह रचनाकार राजा समर्थक सात सांसदों वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा), मधेसवादी, निर्दलीयों और नवोदय शक्ति नेताओं को अपने आइने में उतारने के वास्ते सक्रिय हैं। सत्ताधारियों का उपनिवेश कहे जाने वाले मधेस में कुछ 'बिकाऊ माल' उपलब्ध है। पिछली बार ओली सरकार बचाने के वास्ते महंथ ठाकुर-राजेंद्र महतो गुट के सांसदों के समर्थन ने लोगों को हैरान किया था। चीनी एजेंट के रूप में कुख्यात जनता समाजवादी पार्टी अध्यक्ष उपेन्द्र यादव सप्तरी-2 से इस बार चुनाव हार गये। महंथ ठाकुर जैसों को भी मतदाताओं ने नहीं बख्शा। तराई के कई सारे दिग्गजों की जमानतें जब्त हुई हैं। इस सबक के बावजूद, साम-दाम की राजनीति रुकी नहीं है। मगर, सवाल है कि कई सौ करोड़ रुपये की हॉर्सट्रेडिंग में दूतावासों की कोई भूमिका होगी क्या?

बहस चल रही है कि नई सरकार में कौन किस खेमे में जाएगा। विश्लेषक बता रहे हैं कि माओवादी केंद्र के प्रमुख 'प्रचंड' नेपाली कांग्रेस के सभापति देउबा के साथ सत्ता में बने रहेंगे। मगर, कुछ को लगता है कि आख़िरी वक्त कहीं कोई खेल न हो जाए। पिछले आम चुनाव में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) दरबार समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) और अशोक राई-उपेंद्र यादव की जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) से गठबंधन कर चुकी थी। प्रेक्षकों का अनुमान है कि इस बार भी ये लोग ओली के पाले में न आ जाएं।

केपी शर्मा ओली दो बार सत्ता में रहे। 7 जून 2017 को शपथ ली, केवल नौ माह सरकार चला पाये। उस समय ओली सरकार से मधेसी जनाधिकार फोरम और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी थी। तब ओली ने दिल्ली के विरुद्ध गोली दागते हुए कहा था, 'मेरी सरकार को गिराने के लिए भारत ने माओवादियों, राजावादियों, और तराई की पार्टियों का इस्तेमाल किया। हम भूलेंगे नहीं।' ओली, 15 फरवरी 2018 को दोबारा सत्ता में आये। 1183 दिनों के बाद ओली 13 मई 2021 को सत्ता से बाहर हो गये। दोनों बार उन्होंने भारत को जमकर कोसा।

यों, परिणाम से हफ्तों पहले चीनी राजदूत होऊ यांगशी का सीन से ग़ायब हो जाना हैरान करता है। चार वर्षों तक होऊ यांगशी नेपाली राजनीति के रिमोट कंट्रोल को गाहे-बगाहे दबाती रहीं। लोग मानकर चल रहे थे कि चीन इस बार के चुनाव में कमाल करेगा। मगर, 2022 में नेपाली ज़मीन पर चीनी कूटनीति की उर्वरता कम नज़र आने लगी। क्या उसकी वजह भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव है? 25 जून 2022 को नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल में बतौर भारतीय राजदूत पदभार ग्रहण किया था। नवीन श्रीवास्तव चीनी कूटनीति की नब्ज़ को पहचानते हैं। वाशिंगटन डीसी से लेकर, कंबोडिया की राजधानी प्नोम पेन व शांघाई तक कूटनीतिक ज़िम्मेदारी संभालने वाले एंबेसडर नवीन श्रीवास्तव को ऐसे मौके पर नेपाल आना पड़ा, जब वहां की कम्युनिस्ट लीडरशिप खंड-खंड बंटी थी। ऐसे में भारत को अपनी बिसात बिछाने में कोई दिक्क़त नहीं हुई। इस चुनाव से कुछ महीने पहले ही होऊ यांगशी का 'मिशन नेपाल' लगभग फेल हो चुका था। पेइचिंग स्थित चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी में अंतराज़्ष्ट्रीय प्रभाग के सूत्र बताते हैं कि होऊ यांगशी की इस विफलता को देखकर ही उन्हें इंडोनेशिया, आसियान का दूत बनाकर भेजने का निर्णय करना पड़ा। आने वाले कुछ दिनों में चेन सोंग नेपाल में चीन के नये राजदूत का कार्यभार संभालेंगे। काठमांडो चार्ज लेने से पहले चेन सोंग चीनी विदेश मंत्रालय में नेपाल, अफगानिस्तान और मालदीव मामलों के निदेशक पद पर विराजमान थे। चेन सोंग की देखरेख में चीनी खुफिया एजेंसी एमएसएस (मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी) के लोग नेपाली नेताओं से कोऑर्डिनेशन के वास्ते सक्रिय हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारें बनाने या गिराने में दूतावासों की भूमिका सही है, या ग़लत?

पुष्परंजन

शहर की यातायात एवं व्यवस्था सुधार हेतु कलेक्टर सूर्यवंशी उतरे सड़क पर

मुख्य बाजारों में घंटो पैदल चलते हुए व्यवस्था में कराया सुधार

अतिक्रमण पर चालान काटे, लाइसेंस रद्द करने की दी चेतावनी

माही की गूंज, रतलाम।

शहर में यातायात तथा व्यवस्था के सुधार हेतु कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी मंगलवार को सड़कों पर उतरे। सरकारी अमले के साथ बाजारों में घंटों पैदल चलते हुए कलेक्टर द्वारा शहर में यातायात तथा अन्य व्यवस्थाओं में सुधार कराया गया। अव्यवस्था के विरुद्ध दुकानदारों तथा अन्य व्यक्तियों को चेतावनी दी गई। दुकान के सामाग्री सीमा से आगे रखकर विक्रय करने, दुकान के आगे बढकर अतिक्रमण करने पर 200 से लेकर 5 हजार तक के चालान काटे गए।

अतिक्रमण तत्काल हटाने के लिए निगम अमले को किया निर्देशित

कॉलेज रोड के सामने से पैदल चलते हुए कलेक्टर द्वारा निरीक्षण प्रारम्भ किया गया। नाहरपुरा क्षेत्र में दुकानों के सामने अव्यवस्थित खड़े वाहनों को हटवाया, चालान काटे गए, नाहरपुरा रोड पर गंभीर साईकिल स्टोर के सामने खड़े वाहन हटवाए गए, चालान बनाया। रत्नश्री केमिस्ट्री के सामने से वाहन हटाए गए, दौलतगंज में मकान निर्माण का मलबा सड़क पर मिला इस पर निगम अमले के विरुद्ध नाराजगी व्यक्त की गई। मलबा हटवाया चालान बनवाया गया, माणक चौक में फूल वाले दुकानदारों द्वारा दुकान के आगे शेड द्वारा अतिक्रमण कर लिए गए, लकड़ी लोहे के पटिये लगाकर अतिक्रमण पाया गया, सभी अतिक्रमण चालान के साथ हटवाए गए। घास बाजार में पारस दूध डेयरी के सामने वाहन खड़े थे। गीता कंगन द्वारा अपनी दुकान के सामने अतिरिक्त सीढ़ी बनवा ली गई थी। समस्त अतिक्रमण हटवाए गए। घास बाजार में अयान कलेक्शन, बुरहानी रेडियम के सामने खड़े हुए वाहन हटवाकर चालान बनाए गए। खोकर ब्यूटी तथा सुहाना कलेक्शन के सामने खड़े वाहन भी हटवा कर चालान काटे गए। कई दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान के आगे पत्थर रख लिए गए थे जिससे यातायात अवरूद्ध हो रहा था, हटवाए गए। इस दौरान शहर में आवारा पशुओं को देखकर कलेक्टर सूर्यवंशी द्वारा निगम मामले को सख्त फटकार लगाई गई। हरमाला रोड पर भी दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण हटाए गए। आगे चलते हुए त्रिपोलिया गेट पर उमंग नमकीन तथा अन्य दुकानदारों द्वारा शेड बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। जिन्हें हटाया गया इस दौरान रास्ते में खड़े हुए वाहन क्रेन से उठवाकर ट्रैफिक थाने पहुंचाए गए यही कार्रवाई घास बाजार में भी की गई।

चांदनी चौक की सूरत सवारने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा चांदनी चौक में रोड संकरा पाए जाने पर दुकानें आगे से दो-दो फीट तोडने के निर्देश दिए ताकि सुगम यातायात संभव हो सके गए। इसी क्षेत्र में अत्याधिक रूप से वाहन बेतरतीब खड़े होने की समस्या पाई गई जिस पर दुकानदारों को सख्ती से निर्देशित किया गया साथ ही चालान भी काटे गए।

कलेक्टर ने कहा कि, शहर की सूरत संवारने के लिए अभियान सतत जारी रहेगा। उनके द्वारा शहर का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाएगा। निगम अमले को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका पालन सख्ती से किया जाए। कलेक्टर द्वारा एक-दो दिनों में दोबारा आकर निरीक्षण किया जाएगा यदि निर्देश का पालन नहीं किया गया तो निगम के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील पाटीदार, निगमायुक्त हिमांशु भट्ट, परिवहन अधिकारी दीपक माझी, सीएसपी हेमंत चौहान, शहर के सभी थाना प्रभारीगण तथा निगम का अमला मौजूद रहा।

विद्युत वितरण कंपनी पर लापरवाही का आरोप

करंट लगने से युवक की मौत पर भड़का आक्रोश

ग्रमीणों ने बिजली कंपनी के दफ्तर और ग्रीड का किया घेराव

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के ग्राम रावटी के समीपस्थ ग्राम मौलावा में बिजली ट्रांसफार्मर पर काम करने के दौरान अचानक ही बिजली सप्लाई चालू होने से खंभे पर काम कर रहे नायन के मजदूर 23 वर्ष के अवधेश पिता नरसिंह देवदा को जोरदार करंट लगा और वह झटके से नीचे आ गिरा। उसे रावटी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में जिला अस्पताल लाया गया, उसकी मौत हो गई। युवक को करंट लगने की जानकारी मिलने के बाद उसके गांव के साथ ही आसपास के गांव के बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और रावटी पहुंचकर बिजली कंपनी के दफ्तर और ग्रीड का घेराव कर दिया। बाद में ये सभी लोग थाने पहुंचे। किसी अनहोनी की आशंका के चलते आसपास के थानों से भारी पुलिस बल रावटी बुला लिया गया।

करंट लगने से जमीन पर गिरकर हो गया अचेत

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे के आसपास की है। बिजली कंपनी के ग्रीड पर परमिट के लिए देने के बाद ठेकेदारी में नायन में काम कर रहा मौलावा निवासी अवधेश ट्रांसफार्मर पर काम करने के लिए गया था। वह ट्रांसफार्मर पर काम कर रहा था तभी बिजली सप्लाई चालू हुई और वह झटके से जमीन पर गिरकर अचेत हो गया। उसके अन्य साथियों और ग्रामीणों को इसकी जानकारी लगी। लोग मौके पर एकत्रित हो गए कुछ ही देर में काफी लोग मौके पर एकत्रित हो गए। उसे गंभीर हालत में रावटी ले जाया गया। यह सूचना मिलने पर युवक के गांव नायन और आसपास के लोग बड़ी संख्या में रावटी के बिजली कंपनी के ग्रीड और दफ्तर का घेराव करने पहुंच गए। दो सौ से ज्यादा लोगों की भीड़ के पहुंचने की सूचना मिलने के बाद एसडीओपी इडला मौर्य ने आसपास के थानों से पुलिस बल मौके पर बुला लिया। काफी मशक्कत के बाद सभी को वहां से हटाया गया।

विधायक कश्यप के प्रयासों से 30 वर्ष का इंतजार होगा खत्म

माही की गूंज, रतलाम। शहर की दिशा व दशा बदलने का काम शुरू हो गया है। रतलाम 30 वर्ष से ऑडिटोरियम के सपने देखा रहा था। इसका निर्माण का काम शुरू हो गया। इसके लिए रतलाम शहर के भाजपा विधायक चेतन्य काश्यप ने सतत प्रयास किए। शहर में कई बड़े प्रोजेक्ट आकार लेने जा रहे हैं जो शहर के विकास को नवीन आयाम देंगे। महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए विधायक चेतन्य काश्यप व कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर परियोजनाओं के लिए पूर्व में चिन्हित की गई भूमि आवंटन कार्रवाई के लिए शहर एसडीएम तहसीलदार को कहा। बड़ी बात ये है कि लंबे समय से जिस ऑडिटोरियम निर्माण के शुरू होने का इंतजार किया जा रहा था, उसका निर्माण मंगलवार से शुरू हो गया।

वर्षो से फरार आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने चलाया अभियान

माही की गूंज, मंदसौर। जिले के कुल 253 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से रात में एसपी अनुराग सुजानिया के निर्देश पर कॉम्बिंग गश्त की। इसमें वर्षो से फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ा है। 2018 से वायडीनगर थाना क्षेत्र के अपराध में फरार इनामी आरोपी कान्हा उर्फ कन्हैयालाल मालवीय निवासी 500 क्वार्टर मंदसौर एवं पप्पू मालवीय पिता शांतीलाल मालवीय निवासी मगरोड़ा जिला प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया है। थाना गरोठ पुलिस ने 5 वर्ष से फरार वारंटीयों को पकड़ा। नाहरगढ़ पुलिस ने 10 दिन से फरार आरोपी कमलेश पिता दशरथ बावरी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि, जो 19 वारंटी पकड़े उसमें 3 थाना वायडी नगर, 3 थाना नई आबादी, 1 थाना अफजलपुर, 3 दलौदा, 1 मल्हारगढ़, 1 नारायणगढ़, 2 पिपलियामंडी, 1 सीतामऊ, 2 सुवासरा, 1 शामगढ़ एवं 1 थाना गरोठ ने तामिल किया।

75 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े

75 गिरफ्तारी वारंटी में 10 थाना वायडी नगर, 6 थाना नई आबादी, 5 4 भावगढ़, 8 अफजलपुर, 1 नाहरगढ़, 2 मल्हारगढ़, 1 नारायणगढ़, 10 पिपलियामंडी, 10 सीतामऊ, 9 थाना सुवासरा, 5 शामगढ़, 1 गरोठ, 7 भानपुरा एवं 1 गांधीसागर के द्वारा कार्रवाई की गई है। जबकि 34 गुंडे और 48 निगरानी बदमाश से भी वर्तमान गतिविधी के संबंध में पूछताछ की गई। 29 अवैध शराब के प्रकरण भी बनाए गए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली हुई दुर्घटनाग्रस्त, ट्राली में छुपा अवैध डोडाचूरा आया बाहर

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की मल्हारगढ़ पुलिस ने हाईवे पर बरखेड़ा पंथ के पास कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से 105 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। मादक पदार्थ की तस्करी का खुलासा तब हुआ जब ट्रैक्टर-ट्रॉली डिवाइडर से टकराकर पलटी जिससे ट्राली में छुपाया गया अवैध डोडाचूरा बाहर रोड़ पर आ गया। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने उक्त डोडाचूरा बही पार्श्वनाथ के लोकेश पाटीदार से लाना बताया है। पुलिस लोकेश की तलाश में जुट गई है। इधर, तस्करी के आरोपी 3 दिन रिमांड पर हैं।

मल्हारगढ़ टीआई राजेन्द्र कुमार पंवार ने बताया कि, तस्करी की सूचना पर थाने के एसआई आरएस अमलिया व उनकी टीम ने बरखेड़ा पंथ के पास मोड़ पर घेराबंदी की, इस बीच पिपलिया तरफ से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली एमपी 14 एसी 9052 को रोका। इस दौरान हड़बड़ाहट में चालक से ट्रैक्टर डिवाइडर पर टकराया और ट्रॉली पलटी खाई।

घटना के दौरान पुलिस ने मौके से देवीलाल पिता राजाराम गुर्जर (25) निवासी कांचरिया चंद्रावत थाना पिपलियामंडी को गिरफ्तार किया, जबकि साथी सतीश निवासी कांचरिया चंद्रावत फरार हो गया । पुलिस ने मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत ट्रॉली में 7 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 105 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया। फरार आरोपी सतीश पिता समरथ गुर्जर (20) निवासी कांचरिया चंद्रावत को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने उक्त डोडाचूरा बही पार्शवनाथ के लोकेश पाटीदार से लाना बताया है। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी की धारा में केस दर्ज कर उन्हें न्यायायल में पेश किया, जहां से उन्हें 2 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है। पुलिस अब फरार आरोपी लोकेश पाटीदार की तलाश कर रही है।

लापता व्यक्ति का पांच दिन बाद मिला शव

माही की गूंज, भैंसोदामंडी।

5 दिन से घर से लापता व्यक्ति का भवानीमंडी थाना क्षेत्र के पंचपहाड़ पुलिया के पास स्थित कुएं में शव मिला। खेत मालिक की सूचना पर भवानीमंडी पुलिस पहुंची और लोगों की सहायता से शव को बाहर निकाला। इधर, भवानीमंडी पुलिस ने शव की सूचना भैंसोदा चौकी को दी तो शव राजस्थान क्षेत्र में मिलने से पुलिस ने कहा कि, मर्ग कायम राजस्थान पुलिस ही करेगी। इधर, राजस्थान पुलिस का कहना था कि गुमशुदगी भैंसोदा चौकी पर हुई तो वे ही तहरीर करेंगे। इस असमंजस के चलते परिजन को शव ले जाने में भी परेशानी हुई और अंतिम संस्कार में भी देरी हुई।

भवानीमंडी पंचपहाड़ पुलिया के पास खेत पर बने कुएं में व्यक्ति का शव मिला। कुएं के मालिक ने सूचना भवानीमंडी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों की सहायता से शव को बाहर निकाल मोर्चरी में रखवाया। भवानीमंडी पुलिस ने बताया अब्दुल अपने खेत पर अलसी की फसल की सिंचाई के लिए गया था। इसी दौरान कुएं में उसे शव दिखाई दिया। मृतक की पहचान मालीपुरा निवासी फूलचंद के रूप में हुई। उनके बेटे अशोक ने बताया पिता 5 दिन से घर से लापता थे। गुमशुदगी की रिपोर्ट मप्र की भैंसोदा चौकी में दर्ज करवा रखी थी। भवानी मंडी पुलिस ने भैंसोदा चौकी प्रभारी को शव मिलने की सूचना दी तो मामला सीमावर्ती क्षेत्र का होने से उलझ गया। भैंसोदा चौकी प्रभारी का कहना है कि, शव राजस्थान में मिला है तो तहरीर भी राजस्थान पुलिस करे। राजस्थान पुलिस का कहना है कि मृतक की गुमशुदगी भैंसोदा चौकी में दर्ज है इसलिए उसकी जांच भैंसोदा पुलिस करे। दोनों प्रदेश की पुलिस के बीच असमंजस के चलते परिजन को शव को ले जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। अंतिम संस्कार में भी देरी हुई। हालांकि भवानीमंडी पुलिस ने ही बाद में शव का पीएम कराया।

आयोजित हुई निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की बैठक

माही की गूंज, मंदसौर।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौतम सिंह की अध्यक्षता में फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 की गतिविधि संबंधी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व मीडियाकर्मी के साथ विशेष बैठक हुई। कलेक्टर ने बताया कि, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अनुसार फोटोयुक्त मतदाता पुनरीक्षण 1 जनवरी के सूची का प्रारूप प्रकाशन 9 नवंबर को किया था।

जिले में प्रारूप प्रकाशन के अंतर्गत 4 विधानसभाओं मे कुल मतदाताओं की संख्या 9 लाख 92 हजार 46 हैं। इसके अंतर्गत पुरुष मतदाता 5 लाख 5 हजार 470, महिला मतदाता 4 लाख 86 हजार 562 एवं अन्य में 14 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। जिले में जनसंख्या लिंग अनुपात 966 की तुलना में मतदाताओं का लिंग अनुपात 962.59 है। मंदसौर जिले का मतदाताओं का जनसंख्या पर अनुपात 66.39 प्रतिशत है। जिले में मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद 1115 स्थापित हैं। बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी रणजीत कुमार, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

5 जनवरी को होगा अंतिम प्रकाशन

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत 9 से 28 नवंबर तक 10 हजार 164 मतदाताओं के नाम प्रारूप 6 के अंतर्गत जोड़े गए। प्रारूप 7 के अंतर्गत 5 हजार 86 आवेदन मौत और स्थान परिवर्तन के आए हैं। प्रारूप 8 के अंतर्गत 3 हजार 283 आवेदन संशोधन के लिए आए। दावे-आपत्तियां 8 दिसंबर तक दर्ज हो सकते हैं। इनका निराकरण 26 दिसंबर को किया जाएगा। निर्वाचन नामावली का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी को किया जाएगा।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ कदम मिला रहे गौरव

माही की गूंज, शाजापुर।

अगर मैं महात्मा गांधी के दोर में पेदा हुआ होता तो शायद मैं उनके साथ चल रहा होता। मगर मैं इस दोर के गांधी के साथ पेदा हुआ हूँ तो मैं अपने दोर के गांधी के साथ चल रहा हूँ। उक्त बातें जिले के ग्राम मितेरा के गौरव ने कही जो भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ यात्रा कर रहे है। देशव्यापी भारत जोड़ो पद यात्रा कन्यकुमारी से कश्मीर तक 3 हजार 500 किलोमीटर की यात्रा राहुल गांधी कर रहे, जिसमें हर दिन 20-25 किलोमीटर यह यात्रा चल रही है। शुजालपुर विधानसभा के ग्राम मितेरा के गौरव भी उसी यात्रा में चल रहे है।

गौरव परमार कहते है कि, आज देश में आज़ादी के बाद दूसरी सबसे बड़ी किसान, आदिवासी, दलित, सोषित को उनके अधिकार दिलाने की लड़ाई लड़ी जा रही है। जिस तरह से देश में उन्माद का वातावरण है। लड़ाई धर्म, जाति, सम्प्रदाय में इस देश को खण्डखण्ड कर दिया उसे अखण्ड बनाने की यहाँ यात्रा निकली जा रही है। आज देश की शान तिरंगे को लेकर राहुल गांधी निकले है ओर वह अकेले ऐसे नेता है जो किसानो की, आदिवासियों की, दलितों की, सोषितों की बात करते है। आज देश में यदि सच बोला जाता है तो हत्या हो जाती है। ईडी या सिबिआई से डराया जाता है। उस दोर में केवल इकलोते नेता हैं जो सबको झेलने के बाद भी उनकी आवाज़ उठाते है। जब संसद से बात नहीं रखने दिया जाता तो बस एक रास्ता होता है ओर वो है सड़क।

गौरव परमार कहते है कि, मेने आज़ादी की लड़ाई का संघर्ष नहीं देखा। आज देश आज़ाद तो है लेकिन संवेधानिक आज़ादी को छिना जा रहा है ओर उस दोर मैं जब राहुल गांधी ज़मीन पर रोड पर उतर के लोगों के पास जा रहे है तो इस एतिहासिक यात्रा का एक पद यात्री के साथ समर्थन के लिए मध्य प्रदेश में पूरी यात्रा में साथ रह कर कदम ताल करूँगा। ताकि जब तानाशाही के ख़लिाफ़ यात्रा का इतिहास लिखा जाए तब तब मेरा भी उसमें योगदान होगा। इसी दोरान गौरव ने राहुल गांधी से मुलाक़ात कर मध्य प्रदेश की धरा पर स्वागत वंदन अभिनंदन किया।

खुलासा: 70 किलो 700 ग्राम चंदन के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले की कालापीपल पुलिस को चंदन की तस्करी में लिप्त अपराधियों पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है। एएसपी टीएस बघेल ने बताया कि, पुलिस द्वारा अवैध रूप से चंदन की कटाई कर धन लाभ अर्जित करने वालों पर विशेष रूप से निगाह रखी जा रही है। थाना कालापीपल क्षेत्र में चंदन तस्कर गिरोह के काफि समय से क्षेत्र में सक्रिय होने की सूचना थी। जिसकी सूचना पुलिस को मिल रही थी। एसपी जगदीश डावर के मार्गदर्शन में चंदन तस्करों पर कार्यवाही हेतु थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि, तीन व्यक्ति पैदल-पैदल ढाबलाधिर के जंगल से चोरी का चंदन लेकर कहीं जाने वाले है। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर सूचना पर ढाबलाधिर के जंगल से गठित टीम द्वारा आरोपी रहीस खाँ पिता छितर खाँ (37) निवासी चायनी, इकबाल पिता अल्ताफ खाँ (50) निवासी चायनी, इदरिश पिता हलीम खों मुसलमान (28) निवासी ग्राम नांदनी जो कि बोरियों में रखकर चंदन ले जा रहे थे, जिनको गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से 50 किलो 200 ग्राम चंदन कीमती एक लाख 47 हजार 200 रुपए व चंदन काटने के उपकरण लोहे के गिरमिट कुल्हाडी आदि जप्त किए गए।

एएसपी बघेल ने बताया कि, आरोपीगणों द्वारा उक्त चुराया हुआ चंदन ग्राम जाबड़िया भील के युसुफ पिता बन्ने खाँ निवासी जाबडिया भील को बेचना बताया गया है। जिस पर से आरोपी युसुफ पिता बन्ने खाँ (47) निवासी जाबड़िया भील को भी गिरफ्तार कर आरोपी युसुफ से 20 किलों 500 ग्राम चंदन कीमती 82 हजार रुपए का आरोपी के बाड़े में से जप्त किया गया है। आरोपी युसुफ से पूर्व में भी वर्ष 2018 में पुलिस द्वारा ट्रक में कुल 339 किला चंदन जप्त किया गया था। आरोपी युसुफ चंदन का अभ्यस्त तस्कर है। पुलिस द्वारा कुल चंदन 70 किलो 700 ग्राम चंदन कुल कीमती 2 लाख 29 हजार 200 रू का चंदन जप्त किया गया है। आरोपी गणों के विरूद्ध थाना कालापीपल पर अपराध क्रमांक 607/22 धारा 379, 411 भादवि एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41, 42 के अर्न्तगत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त टीम में उपनिरीक्षक तेजप्रकाश बोहरे, सउनि अमित नागर प्रआर नीलेश श्रोत्रिय आरक्षकगण वेदप्रकाश परमार, विवेक गोस्वामी, प्रशांत भदौरिया, नयन यादव, राकेश मीणा, सुमित पटेल, शिवपाल सिंह को शामिल कर चंदन तस्कर पर कार्रवाई हेतु लगाया गया था।

5 ट्रिलीयन डॉलर भारतीय अर्थ व्यवस्था 2025 तक- डॉ. पुरूषोत्तम गौतम

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमानायक शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के वाणिज्य विभाग द्वारा बौद्विक उन्नयन के अन्तर्गत भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. एनएलगुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया।

मुख्य वक्ता एवं विशेषज्ञ डॉ. पुरूषोत्तम गौतम प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी ने अपने वक्तव्य में बताया कि, कृषि उद्योग एवं सेवाओं के उत्पादन को जोडकर किस प्रकार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का निर्माण होता है, साथ ही इसके निर्यात में विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं कें आर्थक विकास पर दृष्टि डालते हुए कहा कि, पहली से पॉचवी पंचवर्षीय योजनान्तर्गत भारतीय अर्थ व्यवस्था का विकास हाथी की चाल से हो रहा था क्योंकि उस समय हमें कृषि उद्योग, हरित-क्रांति एवं दुग्ध-क्रांति जॅहा हमारा एक ओर लक्ष्य था वहीं दूसरी ओर अकाल एवं सूखा तथा सन 1962 के चीन युद्व, 1965 के पाकिस्तान युद्व से जुझ रहे थे।

वहीं छठी से नवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान दूरसंचार क्रांति एवं औद्योगिक क्रांति के कारण अर्थव्यवस्था ने गति पकडी। दसवी, ग्यारवहीं एवं बारहवी पंचवर्षीय योजना के दौरान वैश्वीकरण, निजीकरण तथा उदारीकरण के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 2007 में 1 ट्रिलीयन डॉलर की हो गई। जो 2014 में बढकर 2 ट्रिलीयन डॉलर तथा वर्तमान में 3.1 ट्रिलीयन डॉलर की होकर विश्व की 10 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अमेरिका (22 ट्रिलीयन), चीन(14 ट्रिलीयन), जापान (6 ट्रिलीयन), जर्मनी (4 ट्रिलीयन) के साथ पॉचवे स्थान में स्थित है।

यद्यपि कोविड महामारी के दौरान 6.7 प्रतिशत भारतीय आर्थिक विकास दर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी धूरी पर ही थी किन्तु आत्मनिर्भर भारत, स्टार्ट अप नवाचार के कारण अन्य देशों की तुलना में हम बेहतर विकास कर पायें।

आज भारतीय जनसंख्या बहुल्य होने के पश्चात भी हम 8 प्रतिशत विकास दर की ओर अग्रसर है। औसतन 160 हजार करोड़ प्रतिमाह जी.एस.टी. कलेक्शन के साथ आय एवं जीवन-स्तर में वृद्वि कर रहे है। वहीं मंहगाई स्तर को भी 10 प्रतिशत से कम रखने के प्रयास जारी है।

2025 में 5 ट्रिलीयन की अर्थव्यवस्था के स्वप्न को साकार करने के लिए सीमावर्ती देशों के आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव, आंतरिक एवं बाहय आर्थिक वातावरण, सम बजट वितरण, गरीबी निवारण कार्यक्रमों का विकास जैसी चुनौतियां हमारे समक्ष है। इनसे निपटने के लिए हमें सर्मआर्थिक विकास, अधोसंरचना का निर्माण, जनसंख्या पर नियंत्रण आयात-निर्यात संतुलन एवं रूपये डालर के मूल्य नियंत्रण की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। तभी हम भारतीय आर्थिक विकास की प्रगति को 3.1 ट्रिलीयन डॉलर से बढाकर 5 ट्रिलीयन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। अंत में उन्होने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

मेकेनिक बना मंदिर के कार्य में अवरूद्ध तो ग्रामीणो ने जताया अक्रोष

माही की गूंज, पारा।

बुधवार सुबह 10 बजे के करीब ग्राम में लोगों के बीच आपसी में गर्मा-गर्मी का माहौल हो गया। देखते ही देखते नगरवासियों की भीड़ होने लगी।

पारा-झाबुआ मार्ग पर शनि मंदिर के मेन गेट के पास भेरुजी का खुला मंदिर स्थापित है। जानकार बताते हैं कि, मंदिर बहुत पुराना है हम छोटे से बड़े हो गए भेरुजी का मंदिर देखते आए हैं। नगर वासियों के घरों में शादी के दौरान उस मंदिर पर घूघरी की प्रसादी चढ़ाई जाती है मंदिर झाबुआ मार्ग से लगा हुआ यह मंदिर के आसपास भरपूर गंदगी भरी पड़ी है। मंदिर के विकास अनुसार ग्रामवासी एकत्रित होकर मंदिर का नवनिर्माण करना चाहते है। पारा ग्राम वासियों को किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है, फिर भी गांव के एक व्यक्ति के पेट में क्यों दुख रहा और वह क्या चाहता है किसी को पता नहीं। रहवासियो ने बताया कि, 56 भेरु मंदिर के समीप ऑटो गैरेज मैकेनिक को आपत्ति थी की मंदिर यहां ना बने। क्योंकि पास की जगह पर कब्जा कर सकें। मैकेनिक यह भूल गया कि, खुद का गेराज अवैध रूप से बना हुआ है। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की कहावत चरितार्थ कर रहा है। इकट्ठी हुई भीड़ मैकेनिक के खिलाफ खडी हो गई और अवैध रूप से बना ऑटो गैरेज के खिलाफ एसडीएम को आवेदन देने के लिए तैयार हो गये। जिसके बाद मैकेनिक इधर-उधर शिकायत कर मंदिर निर्माण में अवरुद्ध बना हुआ था। जब खुद पर आ पड़ी तो चुपचाप होकर कहने लगा मंदिर बनाना है तो बनाओ मुझे आपत्ति नहीं। तब जाकर मामला शांत हुआ।

अवैध मदिरा निर्माण के 8 प्रकरण में 3 गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में नशा मुक्ति के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशन में वृत कसरावद, महेश्वर, बड़वाह एवं सनावद के आबकारी दल द्वारा संयुक्त रूप से गत दिवस अलसुबह से ही अवैध मदिरा आसवन एवं विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही की गई। दल द्वारा कार्यवाही वृत कसरावद के ग्राम पानवा, बलखड़ फाटा, चीचली, कठोरा एवं भोईंदा में कार्यवाही कर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्री देवराज नगीना ने मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क,च के तहत 8 प्रकरण दर्ज कर 3 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही में दल ने अलग-अलग स्थानों से 210 लीटर हाथभट्टी मदिरा जप्त की। वहीं लगभग 10 हजार 800 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर मौके पर विधिवत नष्ट किया गया। जप्त मदिरा एवं महुआ लहान का बाजार मूल्य लगभग 5 लाख 61 हजार रुपये है। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी बसंत भीटे, पवन टिकेकर आबकारी उपनिरीक्षक अजय पाल सिंह भदौरिया, मुकेश गौर एवं संबंधित वृत के समस्त आबकारी मुख्य आरक्षक एवं आबकारी आरक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

होल्कर कालीन बावड़ी के पास बनेगा पार्क

माही की गूंज, खरगोन।

बालसमुद के मेजमपुर स्थित काली बावड़ी का ऐतिहासिक महत्व जानकर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा ने बावड़ी के पास मनरेगा से पार्क स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। जिपं सीईओ मंगलवार को कसरावद जनपद में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों का अवलोकन करने पहुँची थी। बालसमुद की कॉलोनी मेजमपुर की बावड़ी का 1 लाख 27 हजार रुपये से जीर्णोद्धार कराया गया था।

गांव के पूर्व सरपंच कमलेश पाटीदार ने बताया कि, होल्करकालीन बावड़ी करीब 20 से 25 वर्षों से अनुपयोगी हो गई थी। जीर्णोद्धार के बाद मोटर पम्प लगाकर अब उपयोगी हो गई है। जीआरएस कमलेश सेन ने बताया कि यहां मरम्मत के कार्य पेबर और साफ सफाई के बाद पौधेरोपण किया गया था। अब बावड़ी के पानी का उपयोग 300 पौधों के लिए किया जा रहा है।

खलबुज़ुर्ग में स्कूली विद्यार्थियों के साथ किया मध्यान्ह भोजन

कसरावद जनपद के भ्रमण के दौरान खलबुजुर्ग के माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। स्कूल में बनने वाले मध्यान्ह भोजन की जानकारी ली। भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए सीईओ श्रीमती शर्मा ने बालक बालिकाओं के साथ भोजन भी किया। भ्रमण के दौरान जिपं सीईओ श्रीमती शर्मा ने चिचली पंचायत में मनरेगा योजना में 3.37 लाख रुपये की लागत के तालाब का निरीक्षण किया। साथ ही बालसमुद में बने ड्वाट्स का भी अवलोकन किया।

महेश्वर जनपद के कार्यों की समीक्षा की

मनरेगा पीओ श्याम रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि, जिपं सीईओ श्रीमती शर्मा ने कसरावद जनपद का भ्रमण करने के पश्चात महेश्वर जनपद के कार्यों की समीक्षा महेश्वर जनपद में की। बैठक में उन्होंने लेबर बजट, पीएम आवास, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा, एसबीएम, मध्यान्ह भोजन, स्व सहायता समूह आदि योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान अति. जिपं सीईओ श्री पुरुषोत्तम पाटीदार, जनपद सीईओ मीणा झा, पीओ शर्मिला मंडलोई, निर्मला कुशवाह, सुचिता खोड़े, गोविंद मंडलोई व उपयंत्री तथा जीआरएस उपस्थित रहे।

कपास के बीच गांजे की खेती पर आबकारी विभाग ने की नॉरकोटिक्स एक्ट में कार्रवाई

माही की गूंज, खरगोन।

कसरावद तहसील के हीरापुर में नत्थू फलियां में मंगलवार को आबकारी विभाग ने कपास के बीच मे गांजे की खेती पर कार्यवाही की है। आबकारी सहायक आयुक्त अभिषेक तिवारी ने बताया कि, जनसुनवाई के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर तुरंत अमले के साथ स्थान पर पहुँचे। यहां कपास के बीच में 10-10 फीट से अधिक ऊंचे 225 गांजे के पौधे जब्त किए गए है। कसरावद शहर से करीब 30 किमी दूर गांव हिरापुर में यह कार्यवाही की गई। अभी सेम्पलिंग की कार्यवाही भी जारी है। कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में नॉरकोटिक्स एंड ड्रग्स साइकोट्रोपिक्स सबटेंसेसे 1985 की धारा 20 (1) में प्रकरण बनाया गया है।

खनिज विभाग ने 3 ट्रेक्टर-ट्रॉली मोरम एवं एक जेसीबी मशीन की जप्त

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के निर्देशन में जिला खनिज अधिकारी घनश्याम धनगर की टीम ने 30 नवंबर को ग्राम बड़गाव सेंधवा क्षेत्र मे अवैध खनिज उत्खनन /परिवहन की आकस्मिक जाँच की। जाँच के समय 3 ट्रेक्टर ट्रॉली मुरुम एवं 1 जेसीबी मशीन, अवैध मुरुम उत्तखनन/परिवहन मे संलिप्त पाये जाने पर जप्त कर ग्रामीण थाना सेंधवा की सुरक्षा मे खड़े किये गये।

कलेक्टर ने किया 4 बीएलओ को निलंबित

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के अंतर्गत पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाने तथा नाम हटाने तथा दर्ज प्रविष्टियों में संशोधन किये जाने के कार्य में लापरवाही बरतने तथा 23 एवं 24 नवंबर को आयोजित बैठक में दिये गये निर्देशों के उपरांत भी नाम जोड़ने, हटाने एवं दर्ज प्रविष्टि में संशोधन संबंधी आवेदन प्राप्त नही करने वाले 4 बीलएओ को निलंबित कर दिया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार उच्च श्रेणी शिक्षक बलवाडी एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 237 बलवाड़ी के बीएलओ मेहमूद सामरे, सहायक अध्यापक डोकल्यापानी एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 256 डोकल्यापानी के बीएलओ शोभाराम यादव, सहायक शिक्षक मेहता फल्या भामपुरा एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 158 जुलवान्या के बीएलओ रामलाल बडोले एवं सहायक अध्यापक झिरीजामली एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 111 झिरीजामली के बीएलओ गोपाल जाधव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

रासेयो के राष्ट्रीय एकता शिविर में मध्य प्रदेश ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

माही की गूंज, बड़वानी।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भिवानी (हरियाणा) में मध्यप्रदेश टीम के कार्यक्रम प्रभारी डॉ आर एस मुझाल्दा के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की टीम ने सभी कार्यक्रमों में अपनी जोरदार प्रस्तुतियां दी। मंच संचालन साफ-सफाई तिरंगा यात्रा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शिविर व्यवस्था प्रदान करने में उत्कृष्ट योगदान दिया। वाद-विवाद, पोस्टर निर्माण आदि में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय एकता शिविर में देश के विभिन्न प्रांतों से आए सभी विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई थी।

ज्ञात हो कि, भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 23 से 29 नवंबर 2022 तक भिवानी हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में मध्यप्रदेश की ओर से सम्मिलित होने हेतु दो विश्वविद्यालय जीवाजीराव विश्वविद्यालय ग्वालियर और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के चयनित 10 रासेयो स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। डॉ. आरएस मुजाल्दा के मार्गदर्शन में टीम मध्य प्रदेश के रासेयो स्वयंसेवक दीक्षा गिरनारे, निशा गुप्ता, श्रेया पांडे, खुशी राजोरिया, साक्षी राठौर, लोकेन्द्र यादव, अरविन्द सिह, रोहित रजक, रितिक गोरपडे, शिवम राजपूत द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राज्य रासेयों सम्पर्क अधिकारी डॉ.आरके विजय, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय डॉ.प्रकाश गढ़वाल, भोपाल बरकतउल्ला विश्वविद्यालय डॉ अनंत कुमार सक्सेना, राहुल सिंह परिहार, शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एलएन गुप्ता, शिविर संचालक डॉ सुरेश मलिक, डॉ आशा पूनिया, बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी, हरियाणा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल पाटीदार, जगदीश गुजराती, डॉ रंजीत मेवाड़ा, डॉ. राजमल राव, हिम्मत जोगचंद सहित बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

खाद को लेकर किसान परेशान, आखिर प्रशासन ने केष काउंटर को बंद क्यों किये

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

प्रशासन ने खाद के केस काउंटर बंद कर देनें से परेशानी खड़ीं हुई है अगर प्रशासन खाद परेशानी को दूर करना चाहती है तो पुनः सहकारी संस्था की दुकानों पर केस काउंटर को शुरू किया जाना चाहिए ताकि किसानों को अपने क्षेत्र में ही सहकारी संस्था की दुकानों से नगद में खाद मिल सके पहले 5 सहकारी संस्था की दुकानों पर कैश काउंटर से किसानों को खाद मिल रहा था झकनावदा सहकारी संस्था ,रायपुरिया सहकारी संस्था, पेटलावद सहकारिता संस्था विपणन संस्था और सारंगी सहकारिता संस्थान, कुल 5 स्थानों पर केस काउंटर से किसानों को खाद मिल रहे थे लेकिन प्रशासन ने तीन जगह केस काउंटर बंद कर दिए अब केवल पेटलावद विपणन सहकारी संस्था एवं मार्केटिंग में केस काउंटर की सेवा शुरू की है जिससे पूरे पेटलावद तहसील के किसान इन्हीं दो जगहों पर जाकर खाद नगद से खरीद रहे हैं और पूरे पेटलावद के अगर किसान दो संस्थानों पर जाते तो भीड़ होना स्वाभाविक है प्रशासन को सभी 5 संस्थाओं के साथ सभी सहकारिता उचित मूल्य की दुकानों पर केस काउंटर की सेवा शुरू कर देना चाहिए ताकि किसानों को अपने क्षेत्र में ही नगद से आसानी से खाद प्राप्त कर सके और किसानों को परेशान नहीं होना पड़े।

सारंगी सोसाइटी पर सिर्फ परमिट वाले किसानों को ही खाद् दिया जा रहा है यहां पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है किसान संतुष्ट हैं, क्या प्रशासन सभी संस्थाओं में केस काउंटर सुविधा पुनः शुरू करेगा।

फले चुंदड़ी नगर चोरासी के साथ भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न

हजारों लोगों ने की भोजन प्रसादी ग्रहण

माही की गूंज,खवासा।

लगभग 125 वर्ष पुराने जैन मंदिर का जीर्णोद्धार कर नवनिर्मित भव्य स्वरूप दिया गया जिसके बाद बहुप्रतीक्षित प्रतिष्ठा कार्यक्रम का मुहूर्त आचार्य श्री विजय नित्यसेन सूरीस्वर जी म.सा. द्वारा दिया गया। जिसके बाद से जैन समाज सहित पूरे गांव के लोग उत्साह के साथ तैयारियां कर रहे थे और बेसब्री से इस घड़ी का इंतजार कर रहे थे। आखिर वह घड़ी आ ही गई और आचार्य श्री के पावन सानिध्य में 26 नवंबर को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में विधिकर जी द्वारा प्रतिष्ठा कार्यक्रम लाभार्थी परिवार के हाथों संपन्न कराया।

इसके पूर्व ग्राम में आचार्य श्री का भव्य वरघोड़ा बैंड बाजे, ताशे, नृत्य दल व पंजाब की पार्टी की शानदार प्रस्तुति के साथ पूरे ग्राम में निकला जिसमें ग्राम को दुल्हन की तरह सजाया गया था। वरघोड़े का जगह-जगह स्वागत किया गया व आचार्य श्री से आशीर्वाद लिया गया। स्थानीय गणेश मंदिर पर सिद्धिविनायक मित्र मंडल द्वारा वरघोड़े में शामिल लोगों का श्रीफल से बहुमान किया गया। वहीं किसान मोहल्ले में भी हीरालाल पटेल परिवार द्वारा वरघोड़े का स्वागत किया गया। ऐतिहासिक वरघोड़ा पुनः जैन मंदिर पर पहुंचा जहां समाजजनों ने मंदिर में होने वाले विभिन्न आयोजन की बोलियां लगाकर धर्मलाभ प्राप्त किया। जिसमे ध्वजा के लाभार्थी कांतिलाल वागरेचा व प्राण प्रतिष्ठा के लाभार्थी आषीष कोठारी रहे। रात्रि में भक्ति पूर्ण संगीतमय प्रस्तुतिया मधुकर ग्रुप द्वारा दी गई। इसके पश्चात 26 नवंबर को ब्रह्म मुहूर्त में प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद फले चुन्दड़ी, नगर चोरासी का आयोजन रखा गया। जिसके लाभार्थी भी श्रीसंघ के अध्यक्ष कांतिलाल फतेहचंद जी वागरेचा परिवार रहे। नगर चोरासी में पूरे गांव सहित आसपास के हजारों लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस प्रकार पंच दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन फले चुन्दड़ी के साथ संपन्न हुआ।

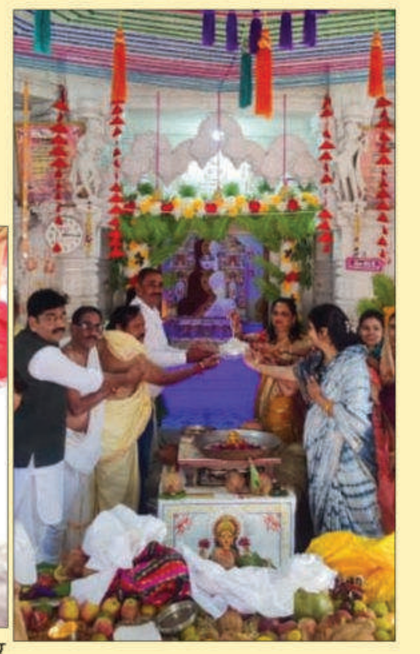

प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पश्चात आचार्य श्री का थांदला की ओर विहार हुआ जिसमें समाजजनों ने जयकारे के साथ आचार्य श्री को विदाई दी।

ग्रामीण क्षेत्रों में अब मनाई जा रही दीपावली, गौवंशों में बीमारी के कारण बढ़ा दिया था समय

आतिशबाजी विक्रेताओं की चांदी, मनमाने भाव पर लाखों की बिक्री

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इस वर्ष दीपोत्सव का त्यौहार अपनी नियत तिथि पर नहीं मनाया गया। जिस कारण किराना, पशुओं की श्रृंगार सामग्री तथा दीपावली का विशेष आकर्षण आतिशबाजी की बिक्री नहीं हो सकी थी। त्यौहार नहीं मनाए जाने का कारण ग्रामीण बताते हैं कि, यह दीपावली त्यौहार गोवंश तथा पशुधन के लिए मनाते हैं मगर इस बार लम्पी बीमारी के कारण गोवंश बीमार होने तथा उनकी मौत के कारण त्यौहार नहीं मनाया। अब बीमारी नियंत्रण में है तो त्यौहार मना रहे हैं तथा जमकर आतिशबाजी भी कर रहे हैं।

गूंज प्रतिनिधि को ग्राम पंचायत आम्बुआ के सरपंच रमेश रावत, अमरसिंह डुडवे (मोटाउमर), नारायण सिंह चौहान (अडवाड़ा), कमलसिंह कनेश (भोरदु), राजू पटेल (वड़ी), सुमित कटारिया (बोरझाड़), सरपू बघेल (चिचानिया फलिया), प्रेमसिंह कनेश (टेमाची) आदि ने बताया कि, क्षेत्र में गोवंश में लम्पी बीमारी के कारण उनकी मृत्यु होने तथा बीमारी की अधिकता के कारण ग्रामीणों ने दीपावली पर्व के समय यह निर्णय लिया कि दीपावली का त्यौहार अभी नहीं मनाएंगे।

स्मरण रहे कि, ग्रामीण क्षेत्रों में सभी त्योहार हंसी-खुशी तथा सामुदायिक भावना से मनाऐ जाते हैं। यदि गांव में माता (चेचक) का प्रकोप हो किसी को पागल कुत्ते ने काट लिया हो कोई भयंकर दुर्घटना में जान माल की हानि हो आदि कई कारणों के चलते सामूहिक निर्णय कर त्यौहार को कुछ समय के लिए टाल दिया जाता है। फिर पटेल, तड़वी, पुजारा आदि के द्वारा सामूहिक रूप से निर्णय लिया जाकर आगामी समय में त्योहार मनाया जाता है। वह भी अलग-अलग गांवों में अपनी सुविधा के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, दिन पर मनाया जाता है।

बिना लाइसेंस बिक रहे पटाखे, प्रशासन आंखे मूंदे बैठा

इस वर्ष लम्पी बीमारी के कारण स्थगित किया गया दीपावली का त्यौहार अब मनाया जा रहा है जो कि विभिन्न गांवों में अलग-अलग दिन मनाया जा रहा है। त्योहारों के लिए ग्रामीण त्योहार संबंधी सामग्री के साथ-साथ आतिशबाजी भी खरीद रहे हैं, जिस कारण दीपावली पर बच गई आतिशबाजी अब मनमाने भाव पर बिकने से पटाखा व्यापारियों की चांदी हो रही है। एक माह पूर्व आतिशबाजी के लिए जारी लाइसेंस (अनुमति) की अवधि समाप्त होने के बावजूद बाजार में खुलेआम बगैर किसी सुरक्षा व्यवस्था के हाट बाजार तथा अन्य दिनों में सड़क किनारे एवं किराना दुकानों आदि पर बेचते देखे जा सकते हैं। प्रशासन की मिलीभगत के कारण इन पर विस्फोटक अधिनियम के तहत कोई भी कार्यवाही नहीं होने से इनके हौसले बुलंद है।

कई व्यापारियों का कहना है कि, क्या होगा हमारे ऊपर तक सेटिंग है। यह ऊपर तक की सेटिंग क्या होती है समझ में आ सकती है कि कार्यवाही नहीं होना शायद इसी को ऊपरी सेटिंग कहते होंगे। बाजार में बिकते पटाखे, बाजार तथा आसपास फूटते पटाखों की गूंज लगता है जवाबदारों को बहरा बनाए हुए हैं। परंतु आंखों से धंधा करते देखते हुए अनदेखा करना कहां तक उचित है? यह विचारणीय है। प्रशासन किसी अनहोनी का इंतजार कर रहा है इसके बाद शायद कार्रवाई होगी या फिर ऐसा ही चलता रहेगा...?

दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को किया जा रहा प्रोत्साहित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी के निर्देशन में जिला में स्वीप गतिविधियों के तहत 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके तथा 17 प्लस आयु के युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोडे जाने हेतु जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता प्रयास आयोजित किये जा रहे है। उक्त प्रयासों के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा दीवार लेखन करते हुए ग्रामीणों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराए जाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही ग्राम स्तर पर घर-घर दस्तक देकर आंगनवाडी कार्यकर्ता सहायिका नवीन मतदाताओं के नाम दर्ज कराए जाने हेतु ग्रामीणों को प्रोत्साहित तथा जागरूक कर रहीं है।

महिला टीचर ने करोड़ों की संपत्ति की मंदिर ट्रस्ट के नाम

श्योपुर। जिले में महिला टीचर ने अपने पति और बेटों के व्यवहार से आहत होकर अपनी संपत्ति हनुमान मंदिर के ट्रस्ट के नाम पर कर दी। ट्रस्ट में दान करने से पहले टीचर ने अपने दो बेटों को उनके हक की संपत्ति दे दी और फिर बची हुई लगभग एक करोड़ रुपए की संपत्ति को मंदिर ट्रस्ट के नाम कर दिया है। महिला ने बताया कि, उसने अपनी बीमा पॉलिसी के साथ सारी चल-अचल संपत्ति को मंदिर ट्रस्ट के नाम पर वसीयत कर दिया है। उनके मरने के बाद सारी संपत्ति मंदिर ट्रस्ट के नाम पर हो जाएगी। महिला टीचर ने बताया कि, वो जिस घर में रहती हैं उसे भी मंदिर ट्रस्ट के नाम पर वसीयत कर दिया है। उन्होंने कहा कि, वो जब तक जिंदा हैं, तब तक घर में रहेंगी और उनके मरने के बाद उनकी सारी प्रॉपर्टी के साथ ही घर भी मंदिर ट्रस्ट के नाम पर चला जाएगा। महिला ने यह भी कहा कि, उनके मरने के बाद अंतिम संस्कार उनके बेटों के बजाय मंदिर ट्रस्ट के लोगों द्वारा ही किया जाना चाहिए।

बचपन से भगवान के प्रति समर्पण

शिव कुमारी जादौन बचपन से ही भगवान के प्रति श्रद्धा और भक्ति में लीन रही हैं। उन्होंने बताया कि, उनके बेटे ठीक नहीं हैं। बेटे को अपराधिक प्रवृत्ति का बताते हुए टीचर ने बताया कि, उनके बेटों के साथ ही पति भी अच्छा व्यवहार नहीं करता है। इसी कारण से वो अपने नाम की सारी चल-अचल संपत्ति मंदिर ट्रस्ट के नाम पर कर दी है।

कुकड़ू-कू से परेशान डॉक्टर साहब ने थाने में कर दी शिकायत

इंदौर। एक दौर था जब लोग सुबह मुर्गे की बांग के बाद नींद से जग जाया करते थे। लेकिन, अब समय बदल चुका है। भाग दौड़ भरी जिंदगी में लोगों को सोने के लिए रात का समय नहीं मिल पाता। देर रात तक काम करने के कारण लोग सुबह देर तक सोये रहते हैं। मौजूदा दौर में अक्सर नींद में खलल पड़ने की शिकायतें लेकर लोग थाने तक पहुंच जाते हैं। ऐसे मामलों में पुलिस को बीच बचाव करके दोनों पक्षों को समझाना पड़ता है। ऐसी ही शिकायत इंदौर में सामने आई है। इंदौर में एक डॉक्टर साहब मुर्गे की शिकायत लेकर थाने पहुंच गए।

पुलिस के मुताबिक पलासिया थाना क्षेत्र के ग्रेटकर कैलाश हॉस्पिटल के पास रहने वाले डॉ. आलोक मोदी पड़ोस में पल रहे एक मुर्गे से इस कदर परेशान हो गए कि इसकी शिकायत लेकर थाने पहुंच गए। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई कि, उनके पड़ोस में एक महिला ने मुर्गे और अन्य जानवर पाल रखे है। पड़ोसी का मुर्गा रोजाना सुबह 5 बजे बांग देने लगता है जिसके कारण उनकी नींद टूट जाती है। पुलिस का कहना है कि, वह मुर्गे की मालकिन को समझाएगी। थाना प्रभारी संजय सिंह बेस ने बताया कि, पलासिया थाना क्षेत्र में रहने वाले डॉ. मोदी मुर्गे की बांग से परेशान हो रहे थे। रोजाना सुबह मुर्गा बांग देता था जिस कारण से डॉक्टर साहब की नींद खराब हो रही थी। डॉक्टर साहब ने अपने आवेदन में लिखा कि, अक्सर देर रात क्लीनिक देखने के बाद जब वह घर लौटते हैं तो उनकी नींद पूरी नहीं होती है क्योंकि सुबह-सुबह मुर्गे की बांग से नींद उचट जाती है। डॉक्टर साहब ने कहा है कि पड़ोसी को समझाया जाए। पुलिस अब मुर्गे मालिक को थाने बुलाकर समझाइश देगी।

मास्टरमाइंड सरपंच : दीवार के पीछे छिपा रखा हथियारों का जखीरा

सीबीएन टीम के छापे में हुआ खुलासा

नीमच।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के एक गांव में दबिश देकर भारी मात्रा में 1 हजार 704 किलो 5 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। इसके साथ टीम ने मौके से हथियारों का जखीरा भी जप्त किया है। दबिश के दौरान बदमाशो ने सीबीएन की टीम पर फायरिंग भी की थी। जिसके खाली खोल भी टीम ने बरामद किए है। वहीं फरार हुआ मुख्य आरोपी तस्कर पप्पू धाकड़ वर्तमान में गांव का सरपंच भी है। कार्रवाई के बाद टीम ने मध्यप्रदेश की पुलिस से संपर्क कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पहले से ही हथियारों के साथ मौजूद थे बदमाश

उप नारकोटिक्स आयुक्त विकास जोशी ने बताया कि, मुखबीर के जरिए सूचना मिली थी कि मध्यप्रदेश नीमच जिले की तहसील सिंगोली के गांव हाथीपुरा में कुछ बदमाश अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा की तस्करी कर रहे है। जिसके बाद सीबीएन की एक टीम का गठन कर मौके पर भेजा गया। जहां पर पहले से हथियारों के साथ मौजूद बदमाशो ने टीम को जान से मारने की नियत से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में टीम ने भी हवाई फायर किए जिसके डर से बदमाश मौके से फरार हो गए। करीब 15 मिनट बाद फायरिंग बंद होने पर टीम ने गोदाम के अंदर जाकर देखा तो तीन पिकअप गाड़ी खड़ी थी। जिसमें भारी मात्रा में कट्टे के अंदर डोडा चूरा भरा हुआ था। जिसको टीम ने जप्त कर लिया है। साथ ही गोदाम के अंदर बने मकान की तलाशी लेने के दौरान भी टीम ने भारी मात्रा में डोडा चूरा बरामद किया। जिसको अलमारी के पीछे बने सीक्रेट कमरे से बरामद किया।

कमरे की खुफिया दीवार के पीछे निकला हथियारों का जखीरा

टीम से मिली जानकारी में ये भी सामने आया कि, जब बदमाश मौके से फरार हो गए तो टीम ने सभी कमरों की तलाशी ली। जिसमें एक कमरे की खुफिया दीवार के बारे पता लगा जिसके पीछे देखा तो उसमें अवैध हथियारों का जखीरा मिला। जिसमें 12 बोर की एक हॉकी बट बंदूक, एक वन शॉट बंदूक, एक दोनाली बंदूक, 5 पिस्टल, 190 जिंदा कारतूस भी जप्त कर लिया। वहीं इन हथियारों में एक विदेशी पिस्टल भी शामिल है। इसके साथ बदमाशों द्वारा फायरिंग के बाद मौके से खाली कारतूस भी टीम ने जब्त कर लिए है। उप नारकोटिक्स आयुक्त विकास जोशी का ये भी कहना है कि बदमाशों ने जिस गन से फायरिंग की उसकी वजह से स्कॉर्पियो गाडी में छेद हो गया। ऐसे में गनीमत ये भी रही कि टीम के किसी भी मेंबर को गाली नहीं लगी।

टीम की कार्रवाई के बाद जब गांव के लोगो से पप्पू धाकड़ के परिजनो और घरों के बारे में जानकारी लगी तो काफी चौंकाने वाले खुलासे समाने आए। सामने ये आया कि मुख्य आरोपी पप्प धाकड़ का ही वो गोदाम है जहां पर काफी मात्रा में अवैध हथियार और डोडा चूरा बरामद हुआ है। इसके साथ ही ये भी सामने आया कि आरोपी तस्कर पप्पू धाकड़ वर्तमान में उमर ग्राम पंचायत का सरपंच है। जिसने दो मकान गांव में बना रखे हैं। जिसमें एक घर पर ताला लगा मिला तो वहीं दूसरे घर पर उसकी पत्नी मिली जिसको पप्पू के बारे में कोई जानकारी नही थी। टीम ने कार्रवाई के बाद स्थानीय सिंगोली और रतनगढ़ पुलिस से सम्पर्क किया गया। पुलिस की टीमें भी मौके पर पहुंची अपने स्तर पर जांच पड़ताल शुरू कर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जन सुनवाई में आए 16 आवेदन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जन सुनवाई में आवेदकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारीगण को प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई के दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जमीन विवाद, वन भूमि पट्टा, बीपीएल सूची में नाम जोडने, तालाब निर्माण सहित अन्य समस्याओं और शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए। जन सुनवाई में कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। जन सुनवाई में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, एसडीएम अलीराजपुर श्रीमती लक्ष्मी गामड सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई स्टेडिंग कमेटी की बैठक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में स्टेडिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक मे निवार्चन आयोग के मतदाता सूची पुनरीक्षण कायर्क्रम 2023 के तहत नवीन मतदाता जोडनेए त्रृटि पूर्ण नाम, फोटो के सुधार तथा नाम हटाने आदि के कार्य की प्रगति की जानकारी से अवगत कराया गया। बैठक में कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि, बीते एक वर्ष के भीतर ऐसे मतदाता जिनकी मृत्यु हो गई है उनके मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये गए है, उक्त सूची प्राप्त करते हुए बीएलओ के माध्यम से उक्त मृतक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने तीनों नगरीय निकायों के बीएलओ की बैठक आयोजित करते हुए नाम जोडने हटाने त्रृटि सुधार कार्य की प्रगति सुनिश्चित कराए जाने हेतु विशेष प्रयास हेतु निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निवार्चन अधिकारी सीएल चनाप सहित राजनैतिक दलों की ओर से राजू मोदी, खुशीर्द अली दीवान सहित गणमान्यजन उपस्थित थे।

सांसद कप जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता के तहत कई रोमांचक मैच हुए आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

सांसद कप जिला स्तरीय प्रतियोगिता के फाइनल मैचों का आयोजन फतेह क्लब मैदान अलीराजपुर में हुआ। प्रतियोगिता में क्रिकेट, कबड्डी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर झाबुआ-रतलाम संसदीय क्षेत्र सांसद गुमानसिंह डामोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कायर्क्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, उक्त आयोजन का उद्देश्य जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे लाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और दिशा निदेर्शों में खेल को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। देश के खिलाडी ओलम्पिक में बेहतर प्रदर्शन करें इसके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। जिस देश में खेल गतिविधियों में युवा आगे रहते है वह देश कई क्षेत्रों में आगे बढता है। विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से युवा आगे बढे इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। उन्होंने युवाओं से खेल गतिविधियों में आगे आने का आह्वान भी किया।

सांसद ने कहा, जिले में तीरंदाजी को लेकर विशेष गतिविधियों के आयोजन हेतु उनके द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे है। परीक्षाओं के पश्चात जिले में पांच दिवसीय वृह्द स्तरीय खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने संबोधित करते हुए कहा, विद्यार्थी एवं युवा पढाई के साथ-साथ खेल की गतिविधियों में भी आगे आए। कार्यक्रम को पूर्व विधायक नागरसिंह चैहान ने भी संबोधित किया।

सांसद कप प्रतियोगिता के तहत सांसद गुमानसिंह डामोर एवं गणमान्यजन ने खिलाडियो से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने क्रिकेट एवं कबड्डी मैचों को देखा और खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए हौसला बढाया।

कायर्क्रम में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसएस सेंगर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला, रिंकेश तंवर सहित अन्य गणमान्यजन, अधिकारी-कमर्चारीगण जिलेभर से बडी संख्या में खिलाडीगण दशर्कगण आदि उपस्थित थे। प्रतियोगिताओं में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। स्वागत उद्बोधन जिला खेल अधिकारी सुश्री संतरा निनामा में दिया।

विजेता एवं उप विजेता टीमों को वितरित किए पुरस्कार

उक्त प्रतियोगिता में सांसद गुमानसिंह डामोर द्वारा विजेता एवं उप विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सांसद कप प्रतियोगिता के तहत बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम जोबट विजेता टीम रही, जिसे 31 हजार रूपये, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उप विजेता टीम अलीराजपुर रही जिसे 21 हजार रूपये शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में विजेता टीम अलीराजपुर रही, जिसे 31 हजार रूपये, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उप विजेता टीम सोंडवा रही, जिसे 21 हजार रूपये शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। क्रिकेट में विजेता टीम सोंडवा रही जिसे 31 हजार रूपये शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उप विजेता टीम चन्द्रशेखर आजाद नगर रही जिसे 21 हजार रूपये शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तीरंदाजी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम शुभम डोडवा रहे जिन्हें 5 हजार 100 रूपये, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। द्वितीय भाया भिंडे रहें जिन्हें 3 हजार 100 रूपये, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तृतीय संदीप भिंडे रहें जिन्हें एक हजार 100 रूपये, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आचर्री तीरंदाजी प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में प्रथम कलम भाबर रहीं, जिन्हें 5 हजार 100 रूपये, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। द्वितीय खुशी बघेल रहीं जिन्हें 3 हजार 100 रूपये शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तृतीय रोशनी बघेल रहीं जिन्हें एक हजार 100 रुपये शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

शराब जब्ती की पुलिसिया कार्यवाहीः आखिर पर्दे के पीछे का राज क्या...?

मदरानी में 800 पेटी अवैध शराब से भरे ट्रक को ग्रामीणों ने देर रात्रि में रोका, पथराव किया, ट्रक से शराब भी लूटी और फिर भी ठेकेदार के गुर्गो ने किया समझौता

3 घंटे तक चलता रहा मदरानी में यह कारवा, लेकिन पुलिस सब कुछ जानकर भी सोती रहीं

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसूरी

इस आदिवासी बाहुल्य जिले में अगर पुलिस व आबकारी पुलिस की बात करें तो, यहां शराब माफिया व अपराधियों को संरक्षण देकर अपने जेब भरने वाली कार्यप्रणाली को ही अपना आदर्श पुलिस बना चुकी है। यानी कि जिले में आबकारी विभाग की पुलिस व मध्यप्रदेश पुलिस शराब माफियाओं के तलवे चाट संरक्षण रूपी कार्रवाई को ही अपने आदर्श बनाने वाली पुलिस जब ठेकेदार की अवैध रूप से परिवहन होने वाली शराब को जप्त कर ले, यानी ऐसा तो सूरज का उल्टी दिशा में उदय होना ही माना जाता है। इस दिशा में जिले कीं पुलिस की ऐसी कार्यवाही करने के साथ, पुलिस अपनी वाह-वाही लुटती नजर आती है तो जिले की जनता आश्चर्यचकित होती है तो वह लाजमी ही है।

शराब माफिया का तालमेल एसपी साहब से नहीं जमा तो वद्या में पकड़ी शराब

एसपी अगम जैन के पूर्व भी आशा माथुर व कृष्णावेणी जैसे एसपी जिले में रहे हैं, जिनका तालमेल शराब माफियाओं के सरगनाओ से नहीं जमा था और शराब माफियाओं को उनकी औकात बताई थी। अगम जैन के बारे में शराब माफिया अलकेश बाकलिया के गुर्गे अपने व्यवसायिक मित्रों के साथ चर्चा कर बता रहे हैं कि, एसपी साहब से बातचीत का तालमेल तो किसी तरह से जम गया था, परंतु सीएम द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान व पड़ोसी राज्य गुजरात में चुनाव के चलते मामला गहमा-गहमी का चल रहा है जिसके चलते साहब के साथ पटरी नहीं बैठ पा रही है। नतीजन अलकेश बाकलिया का गुर्गा मुकेश एवं आदि मैनेजर अपने विश्वसनीय व प्रभावी अवैध शराब विक्रेताओं को कह रहे हैं कि, साहब से तालमेल नहीं जमने के कारण ही वद्या की शराब दुकान से डम्पर में भरकर 520 पेटी शराब गुजरात में चुनाव के चलते एक विधायक उम्मीदवार के पक्ष में बटने जा रही थी। जो काकनवानी पुलिस ने एसपी को मिली मुखबिर के बाद उक्त शराब को जप्त कर कार्रवाई की गई।

शराब की जानकारी रखने वाले हमारे माही की गूंज के विशेष मुखबिरो की जानकारी अनुसार हमें बताया कि, लिमड़ी क्षेत्र के रहवासी किसी गुर्जर के माध्यम से यह शराब चुनाव में बटने जा रही थी। एमपी क्षेत्र की पूर्ण जवाबदारी अलकेश बाकलिया की होने के साथ अलकेश बाकलिया को सामने वाली पार्टी को संपूर्ण भरपाई के साथ डंपर का भी पैसा देना मुकेश कटारा (नायक) व मैनेजर शंकर सिंह कवलिया (नायक) ने तय किया हैं। अगर गुर्जर को उसकी नुकसानी की भरपाई नहीं करते हैं तो लिमड़ी क्षेत्र में होकर आगे अलकेश बाकलिया को अवैध शराब का परिवहन करना परेशानी बन सकता है।

हमारे मुखबिर ने यहां तक जानकारी देते हुए बताया कि, अलकेश बाकलिया के गुर्गे, यहां तक कह रहे हैं कि, गुजरात चुनाव के बाद एसपी साहब से तालमेल जम जाएगा, अभी भले ही एसपी साहब बात नहीं कर रहे है परंतु पूरे जिले की थाना-चौकी पर हमारे नियमित मासिक शुल्क एसपी अगम जैन के आने के बाद भी दे रहे है और जिले की पुलिस हमारा पूरी तरह से सहयोग भी अवैध कारोबार में कर रही है।

मदरानी में माफिया के गुर्गो ने 4 लाख में समझौता कर अवैध शराब से भरा ट्रक छुड़वाया

गूंज के विश्वसनीय मुखबीर ने पुलिस की कार्यवाही के पर्दे के पीछे का राज बताते हुए कहते हैं कि, वद्या से डंपर में भरकर जाने वाली शराब जब्ती के कुछ दिन पूर्व काकनवानी थाने के मदरानी चौकी के कुछ दूरी पर ही स्थित शराब दुकान में टीन से बना बड़ा शेड में गोडाउन के अंदर आइशर ट्रक रात्रि में शराब भरने हेतु गया। जिसमें 800 पेटी गोवा व्हिस्की शराब की पेटीया लोड कर अवैध रूप से परिवहन करने के लिए जा रहे थे कि, स्थानीय कुछ ग्रामीणों ने देर रात्रि में रेकी कर मदरानी में उमरादरा रोड पर ट्रक को रोका और ट्रक पर पथराव करने के साथ ही चालक से चाबी छीन ली और ट्रक को गांव बाहर ले जाकर खड़ा कर दिया। ट्रक से 100 से 150 पेटिया शराब की खाली भी कर ली उक्त बात मुकेश कटारा व मैनेजर शंकरसिंह कवलीया को पता चलने पर मदरानी पहुंचे और ग्रामीणों के साथ आपसी सुलह कर 4 लाख रूपये मौके पर ही देकर, अवैध शराब के साथ ट्रक को अपने गतन्य तक पहुंचा दिया गया।

रम्भापुर व रायपुरिया में शराब जब्ती के साथ पुलिस लूट रही वाहवाही, उक्त शराब ठेकेदार के गुर्गो के द्वारा रेकी कर पकडाई गई शराब।

यह सारा कारवा रात्रि में करीब 3 घंटे से भी अधिक चलता रहा व काकनवानी पुलिस से लेकर मदरानी चौकी प्रभारी तक उक्त घटना की सूचना भी चली गई। लेकिन बताते हैं, काकनवानी थाना प्रभारी व मदरानी चौकी प्रभारी को मुकेश कटारा व मैनेजर शंकरसिंह ने निर्देशित कर दिया कि, मामला सुलझ जाएगा और जब तक मामला नहीं सुलझे तब तक रात्रि गश्ती में भी कोई पुलिस अधिकारी इस और न आए। जिस पर मदरानी पुलिस भी जब तक मामला नहीं सुलझ गया तब तक चौकी परिसर के अंदर ही दुबक कर बैठी रही।

उक्त घटना का कारण गुंज ने मुखबिर से जाना तो बताया, जिस मकान में मदरानी चौकी प्रभारी किराए से रहती है, शराबी मकान मालिक दिन में शराब दुकान पर सेल्समैन से फ्री में शराब मांगी व अक्सर बाटल पर कमीशन की मांग करता रहता है। सेल्समैन द्वारा फ्री या कमीशन नहीं देने पर विवाद हुआ जिसमें चौकी प्रभारी भी मौके पर पहुंची थी, शराबी मकान मालिक ने चौकी प्रभारी को उलट-सुलट जवाब दिए जिस पर चौकी प्रभारी वहां से चली गई। जिसके बाद ही रात्रि में एक शराब बॉटल फ्री व कमीशन पर नहीं देने पर रात्रि में रेकी कर शराब ठेकेदार की अवैध शराब से भरे ट्रक को रोका और 4 लाख के समझौते के साथ ठेकेदार से सुलह करने में पुलिस भी सहयोगी बनी।

एसपी साहब से ठेकेदार का तालमेल नही होने से एसपी श्री जैन के निर्देष पर काकनवानी पुलिस ने की शराब जब्ती की कार्यवाही।

वही मुखबिर ने बताया कि, शराबी मकान मालिक ने तीन-चार दिन पूर्व भी अन्य अवैध शराब की दुकान पर भी विवाद कमीशन को लेकर किया। जहां पर भी चौकी प्रभारी पहुंची तो शराबी मकान मालिक ने चौकी प्रभारी के बोरिया-बिस्तर बंधा देने की बात कही, जिसपर वरिष्ठ अधिकारियों को संज्ञान में डाल उक्त शराबी मकान मालिक पर मामला दर्ज किया गया, जिसमें जमानत करवानी पड़ी।

शराब माफिया की रेकी के साथ शराब से भरी रंभापुर में पिकअप व रायपुरिया में कार को पुलिस ने की जप्त

पुलिस नशा मुक्ति का हवाला देकर अवैध शराब जब्ती के साथ अवैध गांजे के पौधे की जब्ती के साथ अपना सराहनीय कार्य बताकर अपनी वाहवाही लूट रही है। लेकिन पुलिस के पर्दे के पीछे की हकीकत शराब माफिया एवं अपराधियों को संरक्षण देने वाली घटनाओं को उपरोक्त पंक्ति में खुलासा किया ही है। वही पुलिस की रिश्वतखोर कार्यप्रणाली लोकायुक्त पुलिस की कार्यवाही के साथ अंतरवेलिया चौकी प्रभारी राजेंद्र शर्मा द्वारा 50 हज़ार की मांग व 20 हजार की रिश्वत लेने के साथ ही 2 दिन पूर्व ही खुलासा हो चुका है। मध्यप्रदेश पुलिस व आबकारी पुलिस, ठेकेदार की अवैध परिवहन कर जाने वाली शराब को कभी जब्त नहीं करती है। लेकिन बाहर से आने वाली शराब को ठेकेदार की मुखबिर के साथ ठेकेदार के गुर्गे स्वयं रेकी कर पुलिस या आबकारी पुलिस से शराब जब्ती की कार्रवाई ठेकेदार करवाता है। इसी कड़ी में वद्या में शराब जब्ती की कार्रवाई को छोड़ रंभापुर में पिकअप क्रमांक एमपी 45 जी 1995 व रायपुरिया में शराब के साथ कार जब्ती के साथ पुलिस की कार्यवाही के संबंध में हमारे मुखबिर ने बताया कि, रविवार-सोमवार की रात्रि में मेघनगर-मांडली शराब दुकान का मैनेजर संदीप नायक व अन्य अलकेश बाकलिया के गुर्गों को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, रम्भापुर होकर मांडली क्षेत्र में भेसोला की ओर से शराब भर पिकअप आ रही है। जिसकी सूचना रम्भापुर चौकी प्रभारी को गश्त के दौरान शराब के ठेकेदार के गुर्गों के द्वारा दी गई। वहीं संदीप नायक व गुर्गों ने भी तीन, अपने चार पहिया वाहनों से अलग-अलग रेकी की वहीं उक्त शराब से भरकर आ रही पिकअप का पीछा करने पर पुलिस के वाहन को भी क्षति पहुंचाई। शराब के गुर्गो की रेकी के साथ उक्त शराब से भरी पिकअप को पुलिस जप्त करने में कामयाब रही, वहीं उक्त पिकअप का चालक, पुलिस व शराब ठेकेदारों के गुर्गों की रेकी के चलते मांडली से गुजरात जाने वाले रास्ते पर शराब से भरी पिकअप को छोड़ रफूचक्कर हो गया।

पुलिस ने 100 पेटी बेगपाइपर व 50 पेटी माउंट टिन बियर के साथ पिकअप को जप्त किया था। परंतु यहां पुलिस ने न हीं अपनी वाहवाही लूटने वाले प्रेस नोट में शराब की ब्रांड का उल्लेख किया और न ही कितनी पेटिया शराब की जब्त की बताया। सिर्फ 852.96 बल्क लीटर शराब की जब्ती बतायी गई जबकि पिकअप में मिली शराब मुखबिर की बात माने तो 1464 लीटर शराब थी, बाकी शराब कहां गई यह तो पुलिस ही जाने। इसी तरह बाहरी क्षेत्र से रायपुरिया थाना क्षेत्र का रहवासी अपनी कार में शराब ला रहा था, जिसे भी ठेकेदार के गुर्गो द्वारा रेकी कर पुलिस को सूचना देने के साथ उक्त कार्रवाई रायपुरिया पुलिस ने की। यहां भी शराब की ब्रांड व शराब की कितनी बॉटल पकडी गई का उल्लेख नहीं किया, सिर्फ 120 लीटर शराब कार के साथ जब्ती करना बताया गया। वही कार्रवाई के दूसरे दिन वाह-वाही को लूटने के लिए प्रेस नोट जारी किया गया। जबकि एसपी के निर्देशन में वद्या में पकड़ी गई शराब का पूरी 520 पेटी का प्रकरण बनने के साथ ही, रॉयल स्पेशल ब्रांड का खुलासा भी किया व उसके बेच नंबर 13 दिनांक 15 नवंबर 2022 को भी सार्वजनिक किया था।

अब देखना है कि, पुलिस वद्या में पकड़ी गई शराब में बेच नंबर के आधार पर मैनेजर, लाइसेंसी, मुकेश कटारा व अलकेश बाकलिया तक पहुंचती है या जिले की पुलिस अपने आका अगम जैन को चुना लगाते हुए अपने कार्य की इतिश्री माफिया को संरक्षण देने के साथ करती है।

इस संबंध में काकनवानी टीआई, ठेकेदार को संरक्षण देने वाली बात कहते नजर आ रहे हैं कि, 2020 में नियम संशोधन के आधार पर लाइसेंसि या किसी ठेकेदार के नाम पर अपराध पंजीबद्ध नहीं होगा। पर टीआई साहब आप जिले की जनता को यह जरूर बताएं कि, मदरानी में 3 घंटे से अधिक अवैध शराब से भरा ट्रक ग्रामीणों ने रोका और मुकेश कटारा और शंकर सिंह नायक ने 4 लाख के साथ सुलह की गई, जिसकी जानकारी आपको मिलने के बाद भी गस्त तक नहीं करने गये और वह अवैध शराब से भरा ट्रक किस नियम कायदे के साथ अपने गंतव्य तक पहुंच गया।

भाजपा की नए फ्लेवर वाली टीम में नए क्लेवर की जरूरत

पुरानी टीम के साथ 2023-24 चुनाव में उतरना भानु को पड़ेगा भारी, पूर्व जिलाध्यक्ष की छवि, भाजपा का नुकसान तय

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पिछले दिनों भाजपा ने संगठन में बदलाव करते हुए अपने एक ओर जिलाध्यक्ष को निर्धारित कम से कम तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करने से पहले हटा दिया गया। लगातार विवादों में घिरे रहे भाजपा के माड़साब लक्ष्मण नायक पर उनके कार्यकाल के दौरान योन शोषण सहित बलात्कार, सरकारी सप्लाई में भ्रष्टाचार ओर वसुली तक के गंभीर आरोप लगे, जिससे कई मौकों पर भाजपा को नीचा देखना पड़ा। कई बड़े नेताओं के आगमन पर उनके दौरे से अधिक माड़साब की शिकायतो को मीडिया कवरेज मिला, उनकी टीम के कई साथी उनके द्वारा फैलाये रायते में पूरी तरह से शामिल है, जो समय-समय पर मिडीया और विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। आज हटे-कल हटे वाले लक्ष्मण माड़साब को आखिर रवानगी देकर भाजपा ने जिले की राजनीति में भानु भूरिया नाम का नया फेलवर दिया हैं, लेकिन टीम के नए कलेवर को लेकर अभी से असमंजस बना हुआ है।

विधानसभा और लोकसभा में पुरानी टीम के साथ उतरना पड़ सकता है भारी

पूर्व जिलाध्यक्ष नायक ने अपने खेमे में जिला और मण्डल स्तर तक ऐसे पासे फिट किये थे, जो भाजपा का काम कम और नायक का काम ज्यादा कर रहे थे। उनकी टीम के ज्यादातर पदाधिकारी घर बैठ कर फ़ोटो छाप नेतागिरी करते हुए दिखे। भाजपा ने आने वाले 2023 के विधानसभा ओर 2024 के लोकसभा जैसे बड़े चुनाव को देखते हुए जिम्मेदारी आदिवासी युवा नेतृत्व भानु को दी है। जिन्होंने अपने जिलाध्यक्ष बनते ही जिले की तीनों विधानसभा जितने का दावा किया, जो वर्तमान की टीम और संगठन के साथ टेडी खीर नजर आ रही।

जिलाकार्यकर्णी सहित मण्डल स्तर तक के कई पदाधिकारी ऐसे हैं, जिनका खुद का सामंजस्य नए जिलाध्यक्ष से नही है। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष का तय होना हो या चुनाव में टिकिट वितरण आपसी विवाद खुलकर सामने आ चुका है। ऐसे में पुरानी टीम के साथ ही 2023 ओर 2024 की बड़ी चुनौती के लये उतरना भानु का उदय की जगह अस्त भी हो सकता है।

संगठन में परिवर्तन के इंतजार में जमीनी कार्यकर्ता

जिले में भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओ की भानु की नई टीम का इंतजार है। जिनके साथ मिलकर जमीन स्तर पर काम करना चाहते हैं लेकिन वो तभी सभवः है जब नए कार्यकर्ताओ को मौका दिया जाये। क्योकि मण्डल स्तर पर स्थिति यही है की वो पुराने नेतृत्व में अभी तक कार्य करने को तैयार नही है। नायक के हटने के बाद जिस तरह की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर आई है उससे साफ है भाजपा नेताओं में उत्साह का संचार हुआ है और इस उत्साह को बनाये रखने के लिए भानु को अपनी नई टीम को, नए कलेवर में मैदान में उतारना होगा।

चुनावों में मिला-जुला परिणाम, बूथ स्तर पर नही हो पाया कार्य, समर्पण निधि में भी कमजोर

पूर्व जिलाध्यक्ष नायक के कार्यकाल में ग्राम पंचायत और नगर पालिका, परिषद के चुनाव हुए भले ही अंतिम परिणाम भाजपा के पक्ष में आये। लेकिन आल-ओवर भाजपा का प्रर्दशन देखा जाए तो भाजपा को इन चुनावों में नुकसान उठाना पड़ा है। खुद के ग्रह क्षेत्र को जिला पंचायत में पूरी तरह से गवाने के कारण जिला पंचायत से भाजपा एक बार फिर दूर हो गई। तो ग्रह क्षेत्र की एक जनपद भी चली गई, बड़ी संख्या में भाजपा के बैनर वाले नेता हार कर बाहर हो गए, तो भाजपा समर्थित सरपंचों की संख्या में भी कमी आई। जयस जैसे संगठन की एंट्री में भी कही न कही जिलाध्यक्ष नायक का हाथ रहा, जिन्होंने समय-समय पर जयस को मिडीया कवरेज लेने का मौका दिया। कई जनपद में भाजपा बैठी जरूर लेकिन उसके पीछे जनपद अध्यक्ष बनने वाले का पूरा काम है। जिसने संगठन का इंतजार न करते हुए स्वयं के मैनेजमेंट पर ध्यान दिया। ऐसे ही कुछ परिणाम नगर पालिका ओर नगर परिषद में आये, जहा एक नगर पालिका ओर चार नगर परिषद में पहली बार अध्यक्ष पार्षदों द्वारा चुना जाना था। 5 स्थानों पर मिलकर लगभग 80 पार्षद भाजपा के निशान पर मैदान में उतरे थे, जिसमे से लगभग 45 के करीब ही पार्षद जीत दर्ज कर सके। अध्यक्ष अपने बिठाकर जीत के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीन स्तर पर नायक के नेतृत्व में भाजपा प्रर्दशन कमजोर रहा। नायक के नेतृत्व में मिली हार का बड़ा कारण बूथ स्तर तक काम करने वाली पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा का काम बूथ स्तर पर बाकी है। कई मंडलों में या तो काम नही हुआ है या फिर फर्जी काम कर खानापूर्ति की गई। भाजपा के पन्ना प्रमुख वाली नीति भी चुनाव में फेल रही। बात करे समपर्ण निधि की तो प्रदेश संगठन से मिले टारगेट के अनुसार पूर्व जिलाध्यक्ष समर्पण निधि जमा नही कर पाए।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनकर भानु के आगे रहने की कोशिश

संगठन के नियमों के अनुसार जिलाध्यक्ष को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया जाता है, पूर्व के लगभग जिलाध्यक्ष प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष नायक को भी प्रदेश कार्यकारणी सदस्य बनाया गया, जिसको प्रदेश के दिशानिर्देश में कार्य करना होता है। लेकिन नायक अभी तक खुद को जिलाध्यक्ष समझकर जिलकार्यकर्णी सदस्य के नाम पर नए जिलाध्यक्ष के आगे-आगे जा रहे हैं, जो भानु और भाजपा के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। क्योंकि कई मोर्चो पर बदनाम हो चुके नायक के साथ खड़े रहने को कार्यकर्ता असहज महसूस कर रहे हैं। खासकर महिला कार्यकर्ता और उनको साथ लाने वाले उनके रिश्तेदार जो नायक के रहते खुलकर महिलाओं को मैदान में नही उतार रहे। दूसरी ओर पुर्व जिलाध्यक्ष की मौजूदगी के कारण विपक्ष लगातार भाजपा पर हमलावर होता है। विधानसभा 2023 को देखते हुए नए जिलाध्यक्ष को पूरा मैनेजमेंट अपने हाथ मे रखना होगा, तब कही जाकर भाजपा की वापसी के द्वार खुल सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422